राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

RNI Regn. No.7789/1964 वर्ष-61 > अंक - 300 रायपुर गुरूवार 30 अक्टूबर 2025 विक्रम संवत 2082 पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

एनसीआर में ठंड का असर बढ़ा, अब स्मॉग और फॉग से भी होगा सामना

रक्षा मंत्री कुआलालंपुर में 12वीं आसियान रक्षा मंत्री बैठक - प्लस में भाग लेंगे

मुंबई में चल रहे इंडिया मैरीटाइम वीक 2025 में शामिल हुए प्रधानमंत्री मोदी

मैरीटाइम सेक्टर ग्रोथ का नया इंजन : पीएम

एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को मुंबई में चल रहे इंडिया मैरीटाइम वीक 2025 में शामिल हुए। पीएम ने मैरीटाइम लीडर्स कॉन्क्लेव में कहा कि 2016 में शुरू हुआ इंडिया मैरीटाइम वीक आज एक ग्लोबल इवेंट बन गया है। मैरीटाइम सेक्टर भारत की ग्रोथ को आगे बढ़ा रहा है।

मोदी ने कहा कि पिछले एक दशक में इससे ट्रेड और पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा मिला है। भारत का मैरीटाइम सेक्टर बहुत तेजी और एनर्जी के साथ आगे बढ़ रहा है। आज इंडियन पोर्ट्स को डेवलपिंग दुनिया में सबसे एफिशिएंट माना जाता है। कई मामलों में वे और भी बेहतर परफॉर्म कर रहे हैं।

उन्होंने ग्लोबल मैरीटाइम सीईओ फोरम की अध्यक्षता की। पीएम मोदी ने शिपिंग सेक्टर से जुड़े 2.2 लाख करोड़ रुपए के कई प्रोजेक्ट्स का शुभारंभ हुआ और 12 लाख करोड़ रुपए के इंवेस्टमेंट एमओयू जारी किए।

इंडिया मैरीटाइम वीक 2025 का आयोजन 27 से 31 अक्टूबर तक हो रहा है, जिसकी थीम यूनाइटिंग ओशन्स, वन मैरीटाइम विजन (सागर एक, दृष्टि एक) है। इसमें 85 से अधिक देशों के प्रतिनिधि, 1 लाख से ज्यादा प्रतिभागी, 500 प्रदर्शक, और 350 अंतरराष्ट्रीय वक्ता भाग ले रहे हैं।

कार्यक्रम में दुनियाभर के शिपिंग कंपनियों के CEO पहुंचेंगे - यह कार्यक्रम भारत के समुद्री क्षेत्र को नई दिशा देने और देश को ब्लू इकोनॉमी के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इसमें सतत समुद्री विकास, हरित शिपिंग, मजबूत सप्लाई चेन और ब्लू इकोनॉमी (समुद्री अर्थव्यवस्था) को बढ़ावा देने पर चर्चा होगी। ग्लोबल मैरीटाइम सीईओ फोरम को इंडिया मैरीटाइम वीक का प्रमुख आयोजन माना जा रहा है। इसमें दुनिया भर की प्रमुख शिपिंग कंपनियों के CEO, निवेशक, नीति निर्माता, तकनीकी नवाचारक और अंतरराष्ट्रीय साझेदार शामिल होंगे।

भारत 2047 तक जहाज निर्माण में टॉप 5 में आएगा : मंत्री सोनोवाल

वहीं केंद्रीय पत्तान, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल कहा कि आज से, समुद्री सप्ताह शुरू हो गया है। समुद्री क्षेत्र की भूमिका, भारतीय समुद्री सप्ताह 2025 की शुरुआत हो गई है। यह साल 2023 में हुए शिखर सम्मेलन की तुलना का दोगुना हो गया है। उन्होंने कहा कि उद्घाटन सत्र ने पूरे शिखर सम्मेलन के लिए एक मानक स्थापित कर दिया है। भारत 2047 तक जहाज निर्माण में टॉप पांच देशों में शामिल हो जाएगा। नीति और सुधार हमारे लक्ष्य को प्राप्त करने में उत्प्रेरक हैं और हमारा आत्मविश्वास दोगुना हो गया है। कार्गो हैंडलिंग सुविधा, और कारोबार में विश्वास, भारत अपने दृष्टिकोण को कार्यरूप में बदलने के लिए तैयार है।

चक्रवात 'मोंथा' पहुंचा काकीनाडा, तमिलनाडु में छह दिनों तक बारिश की संभावना

एजेंसी

चेन्नई । चक्रवात 'मोंथा' बुधवार सुबह आंध्र प्रदेश के काकीनाडा पहुंचा, जिससे तटीय जिलों में भारी बारिश और तेज हवाएं चलने लगी।

मौसम विभाग (आईएमडी) ने पुष्टि की है कि इस सप्ताह की शुरुआत में दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में बना यह चक्रवात मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच 110 किमी प्रति घंटे की गति से टकराया।

आईएमडी अधिकारियों के अनुसार, 'मोंथा' के कारण कृष्णा और मछलीपट्टनम जिलों के कई हिस्सों में गरज और बिजली के साथ तेज बारिश हुई, जिससे पेड़ उखड़ गए और संपत्ति को नुकसान पहुंचा।

अल्लूरी जिले में, तूफान के दौरान एक पेड़ गिरने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

प्रभावित क्षेत्रों में गिरे हुए पेड़ों को हटाने और बिजली बहाल करने के लिए आपदा प्रबंधन टीमों को तैनात किया गया है। सोमवार से उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ रहा भीषण चक्रवाती तूफान तट पार करने के बाद थोड़ा कमजोर पड़ गया, लेकिन इसके दक्षिण भारत में व्यापक वर्षा लाने की उम्मीद है।

आईएमडी ने कहा कि मोंथा के प्रभाव के कारण, तमिलनाडु में अगले छह दिनों तक मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

सहारा इंडिया की मुश्किलें बढ़ीं, ईपीएफओ ने थमाया कुर्की का नोटिस

नई दिल्ली एजेंसी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने सहारा इंडिया ग्रुप के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। संगठन ने कंपनी पर 1,180 करोड़ रुपये के पीएफ और पेंशन बकाया को लेकर उसकी संपत्तियों की कुर्की का नोटिस जारी किया है। ईपीएफओ का कहना है कि सहारा ने लाखों कर्मचारियों के लिए अनिवार्य भविष्य निधि अंशदान जमा नहीं किया है, जिसके चलते अब सख्त कदम उठाना आवश्यक हो गया है। लखनऊ स्थित ईपीएफओ के क्षेत्रीय कार्यालय ने सहारा इंडिया को निर्देश दिया है कि 15 दिनों के भीतर पूरी बकाया राशि जमा की जाए। यह बकाया मुख्य रूप से 2010 से 2012 के बीच कंपनी के उन एजेंटों से जुड़ा है, जिन्हें ईपीएफओ ने कर्मचारी की श्रेणी में माना है। संगठन का तर्क है कि इन एजेंटों को कंपनी का हिस्सा होने के कारण पीएफ का लाभ मिलना चाहिए था। अगर सहारा तय समय में भुगतान नहीं करता, तो ईपीएफओ कानून की धारा 8बी से 8जी के तहत वसूली की कार्रवाई शुरू करेगा।

गन्ना किसानों को सरकार का उपहार, बढ़ाए गए दाम

लखनऊ उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने गन्ना किसानों को दिवाली के बाद बड़ा उपहार दिया है। सरकार ने गन्ने के मूल्य में 30 प्रति क्विंटल तक की बढ़ोतरी की है। मुख्यमंत्री योगी के फैसले के अनुसार, अब अगैती प्रजाति के गन्ने का मूल्य 400 प्रति क्विंटल होगा, जबकि सामान्य प्रजाति के लिए यह दर 390 प्रति क्विंटल तय की गई है। सरकार की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार, गन्ने के मूल्य में 30 प्रति कुन्तल की वृद्धि की गई है। पेराई सत्र 2025-26 के लिए गन्ने का मूल्य निर्धारण भी किया गया है।

अगेती प्रजाति 400 प्रति कुन्तल और सामान्य प्रजाति 390 प्रति कुन्तल की दर तय की गई है। इससे किसानों के चेहरों पर खुशहाली की मिठास घुली है। सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि गन्ना मूल्य वृद्धि से किसानों को 3,000 करोड़ का अतिरिक्त भुगतान होगा। उन्होंने बताया कि योगी सरकार ने गन्ना मूल्य में लगातार बढ़ोतरी की, 2017 से अब तक चार बार समर्थन मूल्य को बढ़ाया गया है। साढ़े 08 वर्षों में गन्ना किसानों को 2,90,225 करोड़ का रिकॉर्ड भुगतान किया गया है। 2007 से 2017 तक मात्र 1,47,346 करोड़ का गन्ना मूल्य भुगतान हो सका था। 2017 से अब तक साढ़े आठ वर्षों में 2,90,225 करोड़ का गन्ना मूल्य अकेले भुगतान हुआ है। पिछली सरकारों के 10 वर्षों की तुलना में 1,42,879 करोड़ अधिक भुगतान योगी सरकार में हुआ।

पीएम और सीएम दोनों कुर्सियां अभी खाली नहीं : शाह

एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को बिहार में चुनावी रैली के दौरान INDIA गठबंधन, कांग्रेस और आरजेडी पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव अपने बेटे तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री और सोनिया गांधी अपने बेटे राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं, लेकिन दोनों पद खाली नहीं हैं।

अमित शाह ने दरभंगा रैली में कहा कि भाजपा ने बिहार चुनाव में कई युवाओं को टिकट दिया है, लेकिन आरजेडी और कांग्रेस ने नहीं. लालू जी अपने बेटे को मुख्यमंत्री और सोनिया जी अपने बेटे को प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं, लेकिन मैं उन्हें बता दूं कि दोनों कुर्सियां खाली नहीं हैं.

शाह ने INDIA गठबंधन को 'ठगबंधन' करार देते हुए कहा कि लालू यादव चारा, बिटुमेन और जमीन के बदले नौकरी घोटालों में शामिल रहे हैं, जबकि कांग्रेस ने 12 लाख करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार किए.

PFI पर उठाए सवाल, 'जंगलराज वापसी' का आरोप - अमित शाह ने कहा कि अगर आरजेडी-कांग्रेस गठबंधन सत्ता में आया, तो PFI के गिरफ्तार सदस्यों को जेल से बाहर निकाल दिया जाएगा. उन्होंने कहा, PFI के लोग पटना के फुलवारीशरीफ में सक्रिय थे. पूरे देश में छापेमारी कर इन्हें जेल भेजा गया. क्या ये लोग जेल में रहेंगे अगर महागठबंधन सत्ता में आता है?' **'सेव इंफिल्ट्रेटर्स यात्रा' पर राहुल गांधी को घेरा** - रैली के दौरान शाह ने राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' पर तंज कसते हुए कहा. उन्होंने कहा कि कुछ महीने पहले राहुल बिहार आए थे, लेकिन असल में वह 'सेव इंफिल्ट्रेटर्स यात्रा' थी. राहुल और तेजस्वी चाहते हैं कि घुसपैठियों के नाम वोटर लिस्ट में बने रहें. वे बिहार में फिर से 'जंगलराज' लाना चाहते हैं.

नौकरी के बहाने इंजीनियर युवती को थाईलैंड में बेचा, 'साइबर स्लेवरी' के नर्क से बचकर ऐसे लौटी वतन

संभाजीनगर । महाराष्ट्र के संभाजीनगर से 'साइबर स्लेवरी' का एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक इंजीनियर युवती को नौकरी का झांसा देकर थाईलैंड ले जाया गया और वहां उसे डेढ़ लाख रुपये में बेच दिया गया। पीड़िता को वहां बंधक बनाकर जबरन साइबर धोखाधड़ी का काम करवाया जा रहा था। युवती किसी तरह अपनी जान बचाकर भारतीय दूतावास की मदद से 21 अक्टूबर को भारत लौटी है। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, यह घिनौना काम अविनाश रामभाऊ उढाण नाम के एक कंपनी मालिक ने किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरोपी अविनाश उढाण ने पीड़िता को थाईलैंड में मार्केटिंग मैनेजर की नौकरी दिलवाने का झांसा दिया ।

51 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, 66 लाख का इनाम था घोषित

एजेंसी। बीजापुर जिले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सरकार की महत्वपूर्ण 'पूना नारगेम' योजना और नक्सली पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर कंपनी नंबर 01 के पीपीसीएम और 8 लाख के इनामी सहित कुल 51 नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पण करने वालों में 20 नक्सली ऐसे हैं जिन पर कुल 66 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

आत्मसमर्पण करने वाले सभी माओवादी विभिन्न फायरिंग, आईईडी ब्लास्ट और आगजनी जैसी घटनाओं में शामिल रहे हैं। यह आत्मसमर्पण बीजापुर पुलिस लाइन में किया गया, जहां सीआरपीएफ डीआईजी बी.एस. नेगी, पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यूलेण्डन यार्क, डीएसपी शरद जायसवाल, उप पुलिस अधीक्षक विनीत साहू समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

पुलिस अधिकारियों ने आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सलियों को 50-50 हजार रुपये नगद प्रोत्साहन राशि प्रदान की और उन्हें मुख्यधारा से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

आसिफ बोले- 'काबुल दिल्ली की कठपुतली

भारत-अफगानिस्तान की दोस्ती पाकिस्तान को नहीं आ रहा रास

,एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक बार फिर भारत और अफगानिस्तान पर आरोपों की झड़ी लगा दी है। आसिफ ने कहा कि अफगानिस्तान भारत की कठपुतली बन गया है और दिल्ली के इशारे पर पाकिस्तान में आतंक फैला रहा है। 'आज शहजेब खानजादा के साथ' में बातचीत के दौरान आसिफ ने चेतावनी दी कि अगर अफगानिस्तान ने पाकिस्तान पर हमला करने की कोशिश की, तो उसका जवाब 50 गुना ताकत से दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत अपनी पश्चिमी सीमा पर मिली हार का बदला काबुल के जरिए ले रहा है। **भारत पर शांति वार्ता तोड़ने का आरोप** - इस्तांबुल में पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच हाल ही में हुई शांति वार्ता अचानक टूट गई। आसिफ ने इसका ठीकरा भारत पर फोड़ते हुए कहा कि जब भी समझौता नजदीक आता, काबुल को दिल्ली से फोन आता और वार्ता रुक जाती। उन्होंने कहा, हम लगभग

समझौते पर पहुंच चुके थे, लेकिन काबुल को फोन आने के बाद वे पीछे हट गए। आसिफ ने यह भी स्वीकार किया कि पाकिस्तान ने अमेरिका को अपने क्षेत्र में ड्रोन ऑपरेशन की अनुमति दी है। उनके अनुसार, यही मुद्दा वार्ता टूटने का कारण बना क्योंकि अफगान पक्ष ने इस पर कड़ा विरोध जताया था। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने आरोप लगाया कि पिछले चार वर्षों से अफगानिस्तान आतंकवादियों का इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी, अगर अफगानिस्तान ने इस्लामाबाद की तरफ आंख उठाकर देखा भी, तो हम उसकी आंखें निकाल लेंगे।

आसिफ ने काबुल और दिल्ली दोनों पर आतंक का खेल खेलने का आरोप लगाया और कहा कि भारत द्वारा संचालित 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तान को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। आसिफ ने आगे कहा कि अफगानिस्तान की सरकार में ऐसे लोग हैं जो भारत जाकर मंदिरों में मत्था टेकते हैं।

द.कोरिया पहुंचे ट्रंप, व्यापार मुद्दों पर अलग-अलग बैठकों में ली और जिनपिंग के साथ करेंगे वार्ता

सोल-एजेंसी। ,अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दक्षिण कोरिया पहुंचे। दक्षिण कोरिया के दक्षिण-पूर्वी शहर ग्योंगजू में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) सम्मेलन का आयोजन हो रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति एपीईसी समिट में राष्ट्रपति ली जे म्युंग और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उच्च स्तरीय शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति दोनों नेताओं के साथ अलग-अलग बैठकें करेंगे। बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति अपने दूसरे कार्यकाल की पहली एशिया यात्रा पर दक्षिण कोरिया पहुंचे हैं।

ट्रंप की इस यात्रा का मकसद टैरिफ के बीच व्यापार और निवेश में डील पर केंद्रित है। इससे पहले दिन में एयरफोर्स वन फ्लाइट से अमेरिकी राष्ट्रपति टोक्यो से रवाना हुए और बुधवार को बुसान के गिम्हे इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और ली जे म्योंग लगभग दो महीनों में अपनी दूसरी शिखर वार्ता के लिए बुधवार को ग्योंगजू में मिलेंगे। इस मुलाकात में दोनों पक्षों के बीच एक व्यापार समझौते पर मुहर लगने की संभावना है, जिसकी रूपरेखा जुलाई में तय हुई थी।

दोनों पक्षों के बीच व्यापार समझौता एक अहम मुद्दा बना हुआ है, क्योंकि सोल और वाशिंगटन ने अपनी वार्ता की स्थिति के बारे में अलग-अलग आकलन प्रस्तुत किए हैं।

जिस व्यापार समझौते पर आज मुहर लग सकती है, उसमें दक्षिण कोरिया को अमेरिका में 350 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की बात कही गई थी। इसके बदले में वाशिंगटन टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत कर देगा। हालांकि, निवेश पैकेज के डिटेल्स में खामियां होने के कारण यह डील अभी तक फाइनल नहीं हो पाई है।

गुरुवार को शी जिनपिंग के साथ उनकी बहुप्रतीक्षित शिखर वार्ता होने जा रही है। यह 2019 के बाद से ट्रंप और जिनपिंग की पहली मुलाकात है। बढ़ते अमेरिका-चीन व्यापार तनाव के बीच इसपर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं।

बता दें, चीन ने हाल ही में रेयर अर्थ मिनरल्स पर निर्यात नियंत्रण को लेकर कड़े आदेश दिए, जिसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने 1 नवंबर से चीनी वस्तुओं पर अतिरिक्त 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी दी है।

इन दो शिखर सम्मेलनों के अलावा, ट्रंप की दक्षिण कोरिया यात्रा ने उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के साथ संभावित बैठक की चर्चा को हवा दे दी है। हालांकि, इसे लेकर अब तक आधिकारिक तौर पर कोई पुष्टि नहीं की गई। ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान दोनों नेताओं की तीन बार मुलाकात हुई थी। जून 2018 में सिंगापुर में, फरवरी 2019 में वियतनाम में, और उसी साल जून में अंतर-कोरियाई युद्धविराम गांव पनमुनजोम में।

कनाडा में भारतीय कारोबारी दर्शन सिंह की गोली मारकर हत्या, लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली जिम्मेदारी

टोरंटो , एजेंसी

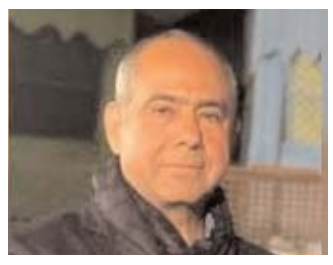

कनाडा के एबॉट्सफोर्ड में भारतीय मूल के कारोबारी दर्शन सिंह साहसी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। दर्शन सिंह का पैतृक गांव पंजाब के खन्ना के पास स्थित राजगढ़ है। उनकी मौत की खबर से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े गोल्डी ढिल्लन ने सोशल मीडिया पर इस हत्या की जिम्मेदारी ली है। पोस्ट में दावा किया गया कि दर्शन सिंह नशे के कारोबार से जुड़े थे और जब गिरोह ने उनसे पैसे मांगे, तो उन्होंने देने से इंकार कर दिया और संपर्क नंबर ब्लॉक कर दिया।

दर्शन सिंह साहसी के परिजनों ने इन आरोपों को निराधार बताया है। उनका कहना है कि दर्शन सिंह ने कड़ी मेहनत और ईमानदारी से अपनी कंपनी खड़ी की थी, जो आज अरबों-खरबों के कारोबार में शामिल है। उन्होंने अपने पैतृक गांव राजगढ़ में भी कंपनी का एक कार्यालय खोला हुआ था, जहां से प्रबंधन का कार्य देखा जाता था। गांव में शोक का माहौल है। दर्शन सिंह के भतीजे और अन्य परिजन गम में डूबे हुए हैं। गांव के लोग परिवार के घर पहुंचकर संवेदना व्यक्त कर रहे हैं। उनके मैनेजर नितिन ने कहा कि दर्शन सिंह हमेशा जरूरतमंदों की मदद करते थे।

मुख्यमंत्री साय ने सन्ना पंडरापाठ में तीरंदाजी अकादमी बनाने के लिए एनटीपीसी के साथ किया एग्रीमेंट

0 20 करोड़ 53 लाख रुपए की लागत से आर्चरी सेंटर होगी स्थापित

0 क्षेत्र के युवाओं को तीरंदाजी के क्षेत्र में आगे बढ़ने का मिलेगा लाभ

जशपुरनगर, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कैम्प कार्यालय बगिया जशपुर में बगीचा विकास खंड के तहसील सन्ना पंडरा पाठ में तीरंदाजी अकादमी बनाने के लिए एनटीपीसी के साथ एग्रीमेंट किया। सीएसआर फंड से 20 करोड़ 53 लाख की लागत से तीरंदाजी अकादमी बनाया जाएगा।

इस अवसर पर कलेक्टर रोहित व्यास एनटीपीसी के अपर महाप्रबंधक मानव संसाधन बिलाश मोहंती उप महाप्रबंधक निशांत बंसल, वरिष्ठ प्रबंधक विधी गैरिक गुरु डिप्टी कलेक्टर समीर बड़ा उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज एनटीपीसी द्वारा आर्चरी सेंटर स्थापित किये जाने के लिए 20 करोड़ 53 लाख रुपए की राशि सीएसआर के माध्यम से दी जा रही है मुझे इस बात की खुशी है।

उन्होंने कहा की जशपुर क्षेत्र के युवाओं में तीरंदाजी के लिए बड़ी संभावनाएं हैं। इसके लिए सेंटर आरंभ होने से युवाओं को काफी सुविधा होगी। वर्ष 2036 में भारत ने ओलंपिक खेलों के लिए दावेदारी प्रस्तुत की है। हमारी कोशिश होगी कि छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी भी अधिकतम संख्या में राष्ट्रीय टीम में हिस्सा लेकर पदक जीतें। यह तब संभव होगा जब हम आर्चरी सेंटर की तरह ही नये प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करेंगे, यहां प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को चिन्हांकित कर उन्हें हर संभव सहायता दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि हमने यह भी घोषणा की है कि जो खिलाड़ी ओलंपिक में स्वर्ण पदक प्राप्त करेंगे, उन्हें तीन करोड़ रुपए दिये जाएंगे। ऐसे ही रजत पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को 2 करोड़ रुपए एवं कांस्य पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को एक करोड़ रुपए दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने लंबित राज्य खेल अलंकरण समारोह पुनः आयोजित कराए और इसके माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सम्मानित करने की बात कही।

उन्होंने कहा कि हमने खेलो इंडिया के नये सेंटर प्रदेश में आरंभ किये हैं। हमारी कोशिश है कि जनजातीय क्षेत्रों में खेलों की अधोसंरचना का विशेष रूप से विकास हो।

हमारा देश हमेशा से तीरंदाजी में अग्रणी स्थिति में रहा है। महाभारत और रामायण जैसे हमारे पवित्र ग्रंथों के नायक भी इस विधा में कुशल रहे हैं इसी परंपरा में आगे बढ़ते हुए प्रशिक्षित खिलाड़ी तैयार करें।

उल्लेखनीय है कि सन्ना पंडरापाठ में 10.27 एकड़ भूमि में अकादमी बनाया जाएगा जहां आउटडोर तीरंदाजी रेंज, खिलाड़ियों के लिए छात्रावास, स्टाफ क्वार्टर खिलाड़ियों की सुविधा के लिए भवन, जैविक खेती के लिए छायादार नर्सरी, पुस्तकालय, चिकित्सा केंद्र,कौशल विकास केन्द्र, हर्बल वृक्षारोपण, मैदान आदि शामिल हैं। आर्चरी एक खेल और कला है जिसमें धनुष और बाण का उपयोग करके लक्ष्य पर निशाना लगाया जाता है। यह एक प्राचीन गतिविधि है। धनुष यह एक लचीली वस्तु होती है जिससे बाण को छोड़ा जाता है। बाण नुकीला तीर जिसे लक्ष्य पर छोड़ा जाता है।

लक्ष्य जिस पर निशाना लगाया जाता है, आमतौर पर एक गोल आकृति होती है जिसमें अलग-अलग रंग और स्कोर क्षेत्र होते हैं। निशाना लगाने की तकनीक इसमें एकाग्रता, संतुलन और शरीर की स्थिरता बहुत ज़रूरी होती है। भारत में आरचेरी का गहरा इतिहास है। महाभारत और रामायण में भी धनुर्विद्या का उल्लेख है। आधुनिक खेलों में भारत के खिलाड़ी जैसे दीपिका कुमारी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन किया है।

कोतवाली पुलिस राजनांदगांव की कार्यवाही, एक आरोपी को धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से 49 पौवा देशी प्लेन मदिरा मात्रा 8.820 बल्क लीटर कीमती 3920 रूपये एवं एक्टीवा मोटर सायकल किमती 20,000 रूपये किया गया जप्त

राजनांदगांव । पुलिस अधीक्षक महोदय राजनादगांव मोहित गर्ग (भा0पु0से0) के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा तथा नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन (भा0पु0से0) राजनादगांव के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी निरीक्षक नंदकिशोर गौतम के नेतृत्व मे थाना कोतवाली पुलिस द्वारा असामाजिक तत्वों एवं अवैध शराब बिक्री करने वालो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत आज दिनांक 14.10.2025 को मुखबीर की सूचना पर घेराबंदी कर घटना स्थल गंज चौक सोनकर कृषि केन्द्र के सामने राजनांदगांव में आरोपी विनित लोन्हारे पिता स्व0 भंवर लाल लोनहारे उम्र 21 वर्ष साकिन राम नगर पॉवर हाउस के पास राजनांदगांव थाना सिटी कोतवाली जिला राजनांदगाव (छ0ग0) को अवैध रूप से बिक्री करने शराब को एक्टीवा मोटर सायकल क्रमांक सी0जी0 08 ए0एम0-5966 से परिवहन कर ले जाते रंगे हाथ पकड़ा गया जिसके कब्जे से 49 पौवा देशी प्लेन शराब 8.820 बल्क लीटर किमती 3,920 रूपये एवं उक्त एक्टीवा वाहन को जप्त कर गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलॉफ प्रर्याप्त अपराध सबूत पाये जाने से अप0क्र0 617/25 धारा 34 (2) आबकारी एक्ट कायम न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

चोकावाड़ा में शासकीय भूमि पर अवैध चर्च निर्माण और पेड़ों की कटाई का आरोप, बजरंग दल ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

जगदलपुर, बस्तर जिले के ग्राम चोकावाड़ा में नजूल शासकीय भूमि पर अवैध रूप से चर्च निर्माण किए जाने और पेड़ों की अवैध कटाई किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में बजरंग दल, जिला बस्तर इकाई ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर अवैध गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। संगठन ने अपने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि जिस स्थान पर यह निर्माण कार्य चल रहा है, वह शासकीय भूमि है और वहाँ किसी भी ईसाई धर्मावलंबी परिवार का निवास नहीं है। ऐसे में चर्च निर्माण का कोई औचित्य नहीं बनता। बजरंग दल का कहना है कि यह कार्य शासकीय भूमि पर कब्जा करने का प्रयास प्रतीत होता है, जो न केवल अवैध है बल्कि ग्राम की शांति और सामाजिक सौहार्द के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकता है। संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि निर्माण स्थल पर पेड़ों की अवैध कटाई की गई है, जो पर्यावरणीय दृष्टि से गंभीर अपराध है। ज्ञापन में प्रशासन से अनुरोध किया गया है कि संबंधित भूमि की तत्काल जांच कराई जाए, अवैध निर्माण व पेड़ कटाई पर रोक लगाई जाए और दोषियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। बजरंग दल ने यह भी कहा कि बस्तर क्षेत्र संविधान की पाँचवीं अनुसूची के अंतर्गत आता है, जहाँ किसी भी धार्मिक या सार्वजनिक निर्माण कार्य के लिए ग्राम सभा की स्वीकृति अनिवार्य होती है, किंतु इस मामले में ऐसी कोई अनुमति नहीं ली गई है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने शीघ्र संज्ञान नहीं लिया, तो वह लोकतांत्रिक तरीके से जनआंदोलन प्रारंभ करने के लिए बाध्य होगा। ज्ञापन देने वालों में विभाग सेवा प्रमुख अनिल अग्रवाल, जिला संयोजक मुन्ना बजरंगी, सह संयोजक सनी रैली, जिला गौ संवर्धन प्रमुख विष्णु ठाकुर, नगर अध्यक्ष प्रतिक सिंह गुरु, नगर सह संयोजक अजय सिंह, नगर साप्ताहिक मिलन प्रमुख तमिश राव, नगर सह गौ रक्षा प्रमुख पवन राजा और अनिल राजपूत इंद्र कुमार उपस्थित रहे। बजरंग दल ने विश्वास जताया कि प्रशासन इस मामले की निष्पक्ष जांच कर बस्तर की सामाजिक एकता, पर्यावरण संरक्षण और धार्मिक सौहार्द की रक्षा हेतु ठोस कदम उठाएगा।

युवक की हत्या के मामले में ससुर-दामाद गिरफ्तार

धमतरी,28 अक्टूबर (आरएनएस)। जिले के केरेगोंव थानक्षेत्र के माकरदोना बेहड़ापारा में हुई युवक की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। मामले में पुलिस ने हत्या करने वाले ससुर-दामाद को गिरफ्तार किया है जिन्होंने पूर्व रंजिश के चलते हत्या की घटना को अंजाम दिया था।

बता दें कि 25.10.2025 को ग्राम माकरदोना बेहड़ापारा में एक युवक भानूप्रताप मण्डावी उम्र 24 वर्ष, साकिन झुरातराई, थाना मगरलोड की अज्ञात व्यक्ति द्वारा धारदार हथियार से प्राणघातक वार कर हत्या कर दी गई थी। मृतक के भाई राकेश मण्डावी की रिपोर्ट पर थाना केरेगांव में तत्काल धारा 194 बीएनएसएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। घटनास्थल का निरीक्षण एफएसएल टीम और थाना केरेगांव पुलिस द्वारा किया गया। मृतक के पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु को हत्या पाया गया। जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि किसी धारदार हथियार से हत्या की गई है। जिसके बाद थाना केरेगांव में धारा 103(1), 3(5) बीएनएस के तहत अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई।एसपी के मार्गदर्शन में थाना केरेगांव पुलिस, सायबर टीम एवं एफएसएल टीम द्वारा लगातार तकनीकी एवं मानवीय सूचना संकलन किया गया। संदिग्ध व्यक्तियों से गहन पूछताछ के दौरान संदेही मुकेश विश्वकर्मा एवं उसके ससुर दुर्जन विश्वकर्मा की भूमिका सामने आई। दोनों से साक्ष्य अधिनियम की धारा 23(2) के तहत पूछताछ करने पर उन्होंने हत्या करना स्वीकार किया। आरोपी मुकेश विश्वकर्मा ने अपने बयान में बताया कि उसने पारिवारिक विवाद एवं पत्नी से जुड़ी आपसी रंजिश के चलते मृतक भानूप्रताप पर चाकू से वार किया। उसके ससुर दुर्जन विश्वकर्मा ने भी घटना के दौरान मृतक पर दो बार चाकू से

छठ व्रत पर्व पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना डीपेंद्र साहू ने रुद्रेश्वर महादेव घाट पहुंचकर दी शुभकामनाएं, कहा- तप, श्रद्धा और समर्पण का यह पर्व जीवन में लाए सुख-समृद्धि

धमतरी, महानदी के पावन तट रूद्रेश्वर महादेव घाट पर छठ व्रत के पावन अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू ने पहुंचकर भगवान सूर्य की उपासना का व्रत रखने वाली माताओं को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर श्रीमती साहू ने कहा कि छठ व्रत भारतीय संस्कृति का एक अद्भुत और अनोखा पर्व है, जिसमें तप, समर्पण और श्रद्धा की भावना अद्वितीय होती है। उन्होंने कहा कि यह पर्व न केवल आस्था और विश्वास का प्रतीक है, बल्कि यह प्रकृति, सूर्यदेव और जल तत्व के प्रति हमारी कृतज्ञता का भी प्रतीक है। उन्होंने व्रतधारी माताओं एवं श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि कठिन तप, समर्पण और श्रद्धा का यह पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि लेकर आए। भगवान सूर्य एवं छठी मइया से यही प्रार्थना करती हूं कि वे सभी भक्तों के जीवन में स्वास्थ्य, आनंद और उन्नति का प्रकाश फैलाएं। श्रीमती साहू ने घाट पर उपस्थित श्रद्धालुओं से भी भेंट की, उन्होंने प्रशासन और स्थानीयों द्वारा किए गए व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि छठ पर्व अब केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को एकता और सद्भाव के सूत्र में पिरोने वाला सांस्कृतिक उत्सव बन चुका है। इस दौरान घाट परिसर में सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हुए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। महिलाएं पारंपरिक गीत गाते हुए भगवान सूर्य की उपासना में लीन दिखीं। वातावरण जय छठी मईया के जयकारों से गूंज उठा। अंत में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू ने सभी छठ व्रतियों, श्रद्धालुओं और प्रदेशवासियों को छठ पर्व की मंगलकामनाएं दीं और कहा कि यह पर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा, आशा और खुशहाली लेकर आए। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती रंजना साहू के साथ रूद्रेश्वर महादेव घाट में जनपद सदस्य श्रीमती अनीता यादव, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष चंद्रकला पटेल, भाजपा नेत्री रितिका यादव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

0-राजधानी सहित ग्रामीण क्षेत्रों में कीट पतंगों का बढ़ा प्रकोप

चक्रवात मोन्था, प्रदेश में भी हो रही वर्षा से किसान चिंतित

रायपुर, प्रदेश में चक्रवात मोन्था के असर आज सुबह से दिखाई पड़ा राजधानी में जहा हल्की वर्षा हुई। वहीं उत्तरी छत्तीसगढ़ में अनवरत वर्षा होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है। बढ़ती नमी के कारण राजधानी में इस समय पतंगा तथा हरा सफेद माहो का प्रकोप दिखाई पड़ रहा है। धान की खड़ी फसलों पर भी प्रभाव पड़ रहा है।

कटाई मिजाई में हो रहा विलंब

कृषि विभाग के अनुसार रायपुर सहित अन्य संभागों में हो रही वर्षा के कारण इस समय धान की कटाई एवं मिजाई में विलंब हो रहा है। खेतों में पानी भरा हुआ है, जिसके कारण हार्वोस्टर नहीं चल पा रहा है। इस समय किसान परेशान है, खेतों में भूरा माहो का प्रकोप बढ़ रहा है, जिसके कारण धान की गुणवत्ता पर असर पड़ रहा है। किसानों के अनुसार इससे धान की क्वालिटी पर असर पड़ेगा। किसानों के अनुसार यह वर्षा हानिकारक है।

डॉ. चन्द्रा ने बताया कि चक्रवाती तूफान रिजर्व हो गया है तथा आज समुद्र तट से टकरा गया है, जिसके कारण अब इसका असर ओड़िशा, आन्ध्रप्रदेश तथा छत्तीसगढ़ में दिखाई पड़ रहा है। दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में चक्रवात मोन्था के प्रभाव के कारण 27 अक्टूबर को दक्षिण छत्तीसगढ़ के जिलों के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। 28 अक्टूबर को दक्षिण छत्तीसगढ़ के जिलों में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा और एक-दो स्थानों पर अति भारी वर्षा होने की संभावना है। 28 अक्टूबर को दक्षिण छत्तीसगढ़ में 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से 60 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है और 29 अक्टूबर को मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ में 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है।

नियद नेल्लानार ग्राम संतोषपुर के लखमू ने केंद्र शासन के प्रति जताया आभार

रोशनी की किरण बनकर आई प्रधानमंत्री आवास योजना

बीजापुर, अंधकार कितना भी गहरा क्यों न हो, रोशनी की एक किरण उसे मिटा देती है – यही बात आज बीजापुर जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) को देखकर महसूस की जा सकती है। यह योजना जिले के दूरस्थ एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की नई आशा और उजाला लेकर आई है। जनपद पंचायत बीजापुर के नियद नेल्लानार ग्राम पंचायत संतोषपुर में कभी नक्सली प्रभाव के कारण शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन संभव नहीं हो पा रहा था। लेकिन नियद नेल्लानार योजना में शामिल होने के बाद इस ग्राम में वर्ष 2024-25 के लिए स्वीकृत किए गए प्रधानमंत्री आवास जिनमें से अब तक 18 आवास पूर्ण हो चुके हैं। गांव में तेजी से निर्माण कार्य जारी है और ग्रामीणों के चेहरों पर विश्वास एवं सुरक्षा की नई चमक दिखाई दे रही है। इसी ग्राम के निवासी लखमू पनिका का जीवन इस योजना से बदला है। उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में आवास की स्वीकृति मिली। लखमू बताते हैं – मेरी पत्नी का निधन हो चुका है। मेरा एक बेटा है, जिसकी शादी भी हो गई है और अब मेरा एक पोता भी है। दो एकड़ जमीन में खेती कर मैं किसी तरह परिवार का भरण-पोषण कर रहा था। गरीबी के कारण पक्का घर बनाना संभव नहीं था और माओवाद के भय से भविष्य भी अनिश्चित लगता था। लेकिन जब मुझे प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति मिली, तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। आज मेरा पक्की छत वाला घर बन चुका है। यह सब शासन-प्रशासन की मदद से संभव हुआ है। हमारे गांव के लिए यह योजना सचमुच रोशनी की किरण बनकर आई है। लखमू सहित ग्राम के अन्य लाभार्थी अब सुरक्षित आवास में रह रहे हैं और अपनी आजीविका को सशक्त बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना ने न केवल उन्हें आश्रय प्रदान किया है, बल्कि आत्मसम्मान और सुरक्षा की नई भावना भी जगाई है।

खेल के माध्यम से विश्वास और विकास की नई गाथा बस्तर ओलंपिक 2025

गोंगला से उठी नई ऊर्जा की लहर, एसडीएम सूरज कश्यप शुभारंभ कार्यक्रम में हुए शामिल

सुकमा, कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के दूरदर्शी नेतृत्व एवं जिला सीईओ मुकुंद ठाकुर के मार्गदर्शन में मंगलवार को 'बस्तर ओलंपिक 2025' का पंचायत स्तरीय शुभारंभ पूरे उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। ग्राम पंचायत गोंगला में आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम में एसडीएम सुकमा सूरज कुमार कश्यप ने विशेष रूप से उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। शुभारंभ कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पंचायत प्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और ग्रामीणजन उपस्थित रहे। पूरे क्षेत्र में खेल महोत्सव का उल्लासपूर्ण माहौल देखने को मिला। खेल मैदानों में बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की उत्साही भागीदारी ने यह सिद्ध कर दिया कि आज बस्तर खेलों के माध्यम से विश्वास, एकता और विकास की नई दिशा में अग्रसर है। 43,000 से अधिक खिलाड़ियों की होगी भागीदारी ङ्क बस्तर की नई पहचान पिछले वर्ष जहां लगभग 14,000 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था, वहीं इस वर्ष यह संख्या बढ़कर 43,099 प्रतिभागियों तक पहुंच गई है – जो अपने आप में अभूतपूर्व है। इनमें 19,414 पुरुष और 23,685 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। यह बढ़ी हुई भागीदारी न केवल ग्रामीणों की खेलों के प्रति बढ़ती रुचि को दर्शाती है, बल्कि यह भी प्रमाणित करती है कि बस्तर का युवा अब आत्मविश्वास, ऊर्जा और आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रहा है। बस्तर ओलंपिक ङ्क विश्वास, शांति और विकास का संगम कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने कहा बस्तर ओलंपिक केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि जनता और शासन के बीच विश्वास का जीवंत सेतु है। इस आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को पहचानना, युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ना और 'स्पोर्ट्स फॉर पीस' के माध्यम से समाज में एकता, सौहार्द और शांति को मजबूत करना है। उन्होंने आगे कहा कि बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजनों से न केवल खिलाड़ियों को मंच मिलता है, बल्कि समाज में सकारात्मकता, सहयोग और भाईचारे का भाव भी मजबूत होता है। स्थानीयता और आधुनिकता का अद्भुत संगम 'बस्तर ओलंपिक 2025' में आधुनिक खेलों के साथ-साथ बस्तर की पारंपरिक खेल विधाओं को भी समान महत्व दिया गया है। एथलेटिक्स, तीरंदाजी, फुटबॉल, बैडमिंटन, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, हॉकी, कराते और वेटलिफ्टिंग जैसे आधुनिक खेलों के साथ-साथ बस्तर की सांस्कृतिक पहचान से जुड़े स्थानीय खेलों को भी प्रमुख स्थान दिया गया है। ग्रामीण महिलाएं, युवा और बुजुर्ग सभी ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया, जिससे यह आयोजन खेल के साथ-साथ सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का उत्सव बन गया। एसडीएम कश्यप ने विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किया। समावेशिता की मिसाल ङ्क सबको साथ, सबका विकास इस बार की प्रतियोगिता विशेष रूप से समावेशिता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित हो रही है। जूनियर (14-17 वर्ष) और सीनियर वर्ग के अतिरिक्त, इस आयोजन में दिव्यांग खिलाड़ी और आत्मसमर्पित नक्सली युवा भी हिस्सा ले रहे हैं। बस्तर ओलंपिक की यह पहल प्रशासन की संवेदनशीलता और समावेशी नीति को दर्शाती है, जहाँ खेल माध्यम बन रहे हैं पुनर्वास, विश्वास और नए जीवन की शुरुआत का।

जनदर्शन में दिव्यांग मलसाय नेताम को तत्काल मिला राशन कार्ड

कोंडागांव, कलेक्टर जनदर्शन के दौरान ग्राम सोडमा निवासी मलसाय नेताम की समस्या का समाधान तत्काल कर दिया गया। मलसाय बचपन से ही दिव्यांग हैं, परंतु उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और कक्षा 10 तक की शिक्षा प्राप्त की। उनका परिवार मुख्यतः खेती पर निर्भर है। मलसाय अपने भाइयों के साथ घर के छोटे-मोटे कार्यों में सहयोग करते हैं। जनदर्शन के दौरान मलसाय ने राशन कार्ड न होने की समस्या कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना के समक्ष रखी। कलेक्टर ने तत्काल संज्ञान लेते हुए खाद्य विभाग के अधिकारी को निर्देश दिया कि उनका राशन कार्ड तुरंत तैयार कर उन्हें उपलब्ध कराएं। शासन की मंशा के अनुरूप त्वरित कार्रवाई करते हुए अधिकारियों ने मौके पर ही मलसाय नेताम को राशन कार्ड प्रदान किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार आम नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही हैं।

मुख्यमंत्री के मंशानुरूप आज मलसाय को कलेक्टर जनदर्शन में राशनकार्ड मिलने से राहत मिली है। मलसाय ने तत्काल राशन कार्ड मिलने पर प्रसन्नता शासन प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त की। जनदर्शन में कुल 39 आवेदन प्राप्त साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने मंगलवार को जिला मुख्यालय के सभा कक्ष में ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं।

हम चुनाव आयोग के फैसले का स्वागत करते हैं : मुख्यमंत्री

0-एसआईआर प्रक्रिया एक अच्छा कदम

0-राज्य में मतदाताओं की संख्या 2.12 करोड़, मतदान केन्द्र की संख्या 24, 371, बीएलओ 24, 371, बीएलए 38,368, ईआरओ व आरओ 467

0-7 फरवरी 2026 को होगा मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन

रायपुर, संवाददाता।

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया शुरू करने को एक अच्छा कदम बताया है, उन्होंने कहा कि हम आयोग के फैसले का स्वागत करते हैं।

राजधानी में पत्रकारों से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा एसआईआर की प्रक्रिया को उचित कदम बताते हुए इसे बहारी तथा गलत लोगों को मताधिकार नहीं मिलेगा। ज्ञात रहे बिहार में एसआईआर प्रक्रिया शुरू करने के पश्चात राजनीति सियासत तेज हो गई थी जिससे सत्तारूढ़ दल और विपक्ष आमने सामने हो गए थे। जिसके कारण आयोग भी विवाद के घेरे में आ गया था।

बीएलओ घर-घर जाकर सूची तैयार करेंगे

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों में वर्तमान में मतदाताओं की संख्या 2 करोड़ 12 लाख 30 हजार है। वहीं, 24 हजार 371 मतदान केन्द्र हैं। एसआईआर के लिए हर एक मतदान केन्द्र पर बीएलओ तैनात रहेंगे। राजनीतिक दलों के 38 हजार 368 बीएलए तथा मतदाता सूची तैयार करने के लिए 467 ईआरओ व एईआरओ की भी नियुक्ति की जा चुकी है।

भारत निर्वाचन आयोग की घोषणा के मुताबिक सोमवार की रात से मतदाता सूची फ्रीज कर दी गई है। इसके साथ ही नए नाम जोड़ने पर अस्थायी रोक रहेगी। आयोग के निर्देश पर सभी जिलों में अधिकारियों का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है। बीएलओ अब घर घर जाकर मतदाताओं की जानकारी का सत्यापन करेंगे। प्रत्येक बीएलओ एक घर में तीन बार दौरा करेगा, ताकि कोई भी पात्र मतदाता छूट न जाए। संदिग्ध मतदाताओं से दस्तावेज मांगे जाएंगे, और जिनके नाम पर संदेह होगा, उन्हें सूची से हटाया जा सकता है। साथ ही, जिनका पता बदल गया है या जिनकी मृत्यु हो चुकी है, उनके नाम भी हटाए जाएंगे।

संदिग्धों के प्रमाण पत्र मांगे जाएंगे

संदिग्धों से प्रमाण पत्र मांगे जाएंगे। एसआईआर सामान्य मतदाता सूची संशोधन से अधिक विस्तृत प्रक्रिया है। इसमें बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं से जानकारी जुटाएंगे और एन्यूमरेशन फॉर्म भरवाएंगे। यदि कोई मतदाता अस्थायी रूप से बाहर गया है या ऑफिस समय में उपलब्ध नहीं है, तो वह ऑनलाइन माध्यम से स्वयं भी विवरण अपडेट कर सकता है। मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन 9 दिसंबर को किया जाएगा। 9 दिसंबर से 8 जनवरी तक दावा-आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। दावा-आपत्ति के निराकरण के बाद 7 फ रवरी 2026 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा। बताया गया है कि ईआरओ दावा-आपत्तियों पर निर्णय लेगा और उसका निराकरण कर अंतिम मतदाता सूची तैयार करेगा। ईआरओ के निर्णय के खिलाफ प्रथम अपील जिला कलेक्टर तथा द्वितीय अपील मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुनेंगे। किसी भी मतदान केन्द्र में 1200 से अधिक मतदाता नहीं होंगे। सभी मतदाताओं से आधार नंबर लिया जाएगा। आधार नंबर का उपयोग केवल पहचान के लिए होगा।

निगम जोन 9 नगर निवेश विभाग ने दलदलसिवनी मुख्य मार्ग में अभियान चलाकर 7 गाड़ी भवन निर्माण सामग्रियां जप्त कर सड़क यातायात बाधा दूर की

रायपुर -

आज नगर पालिक निगम रायपुर को प्राप्त जनशिकायत को तत्काल संज्ञान में लेकर नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप द्वारा दिए गए आदेशानुसार और नगर निगम जोन 9 जोन कमिश्नर श्री अंशुल शर्मा सीनियर के निर्देशानुसार नगर निगम जोन 9 नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा जोन क्षेत्र अंतर्गत दलदलसिवनी मुख्य मार्ग में अभियान चलाकर कार्यपालन अभियंता श्री शरद ध्रुव, सहायक अभियंता श्री सैयद जोहेब, उप अभियंता श्री अतुल बंसल की उपस्थिति में मुख्य मार्ग में 7 गाड़ी भवन निर्माण सामग्रियां जप्त कर मुख्य मार्ग से यातायात बाधा तत्काल दूर कर नागरिकों को सुगम यातायात बहाल कर राहत दिलवाई।

नगर निगम जोन 3 ने शंकर नगर फ्लाईओवर के नीचे कचरा उठवाकर स्वच्छता कायम कर जनशिकायत का किया त्वरित

रायपुर - रायपुर नगर पालिक निगम में प्राप्त जनशिकायत को तत्काल संज्ञान में लेकर नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप द्वारा दिए गए आदेशानुसार और जोन 3 जोन कमिश्नर श्रीमती प्रीति सिंह द्वारा दिए गए निर्देशानुसार नगर निगम जोन 3 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा जोन 3 क्षेत्र अंतर्गत शंकर नगर फ्लाईओवर के नीचे सफाई गैंग भेजकर सफाई करवाकर कचरा उठवाकर स्वच्छता कायम करते हुए कार्यपालन अभियंता श्री सुशील मोडेस्टस, सहायक अभियंता श्री नरेश साहू, उप अभियंता श्री अक्षय भारद्वाज, जोन 3 जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री पूरन कुमार ताण्डी की उपस्थिति में नगर निगम रायपुर को प्राप्त गन्दगी सम्बंधित जनशिकायत का त्वरित निदान किया।

बस्तर ओलंपिक के सफल आयोजन हेतु दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम का होगा गरिमामय आयोजन - कलेक्टर संबित मिश्रा

साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक संपन्न

बीजापुर, कलेक्टर संबित मिश्रा की अध्यक्षता में आज साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक कलेक्टोरेट सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने जिले में चल रहे विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान नियद नेल्लानार योजना के तहत नव स्थापित सुरक्षा कैम्पों के अंतर्गत आने वाले गांवों का सर्वेक्षण, सैचुरेशन शिविरों की प्रगति, तथा अधोसंरचना निर्माण से जुड़ी जानकारियों की समीक्षा की गई। कलेक्टर मिश्रा ने स्वास्थ्य, शिक्षा, जल जीवन मिशन, महिला एवं बाल विकास, विद्युत विभाग, सार्वजनिक वितरण प्रणाली सहित सभी प्रमुख विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी

निर्देशित किया कि आत्मसमर्पित नक्सलियों एवं नक्सल पीड़ित परिवारों के सदस्यों के सभी आवश्यक दस्तावेज – जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, राशन कार्ड, बैंक पासबुक, जाति प्रमाण पत्र तथा आयुष्मान कार्ड – शत-प्रतिशत तैयार कर सुनिश्चित किए जाएं। कलेक्टर मिश्रा ने आगामी छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम का गरिमामय एवं सांस्कृतिक वैभव से परिपूर्ण आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, आगामी बस्तर ओलंपिक के सभी स्तरों पर सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए भी मार्गदर्शन प्रदान किया। बैठक में अपर कलेक्टर भूपेन्द्र अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर जागेश्वर कौशल, डिप्टी कलेक्टरगण, तथा जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

रायपुर में चोरी की बड़ी वारदातः पुलिस लाइन के क्वार्टर को बनाया निशाना, दिनदहाड़े उड़े नकदी और जेवर

रायपुर, राजधानी में चोरों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि अब उन्होंने पुलिस लाइन के आवासों को भी निशाना बना लिया है। पुलिस स्टाफके परिवार सहित रहने वाले क्वार्टर में दिनदहाड़े चोरी की वारदात हुई है। घटना पुलिस लाइन के धमतरी गेट के सामने स्थित एच-3 ब्लॉक के तीसरे माले के फ्लैट की है।

जानकारी के अनुसार, पुलिस जवान गणेश कुमार ध्रुव ने इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 25 अक्टूबर की सुबह करीब 9:15 से दोपहर 12:30 बजे के बीच अज्ञात चोरों ने उनके फ्लैट का ताला तोड़ दिया। घर की आलमारी में रखे 30 हजार रुपये नकद और सोने-चांदी के गहने चोरी हो गए। कुल नुकसान करीब 80 हजार रुपये का बताया गया है। कोतवाली पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफमामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रजत राज्योत्सव-2025 : कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने राज्योत्सव स्थल का किया निरीक्षण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 नवम्बर को करेंगे रजत राज्योत्सव का शुभारंभ

रायपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रवास एवं राज्योत्सव-2025 की तैयारियां कार्यक्रम स्थल में जोरो से की जा रही है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह आज शाम मौके पर पहुंचे और रात तक तैयारियों का जायजा लेते रहे। उन्होंने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्योग एवं व्यापार परिसर, राज्योत्सव स्थल में निर्माणधीन मुख्य मंच एवं अन्य डोम का अधिकारियों के साथ पहुंचकर निरीक्षण किया और सभी व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को युद्धस्तर पर तैयारियाँ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि राज्योत्सव स्थल में 24 एकड़ में भव्य राज्योत्सव मेला का निर्माण किया जा रहा है। यहां मुख्य मंच के साथ तीन बड़े एवं चार छोटे डोम बनाए जा रहे हैं, जिनमें 80 हजार से अधिक लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी। सभी डोम में सुरक्षा के मद्देनज़र बैरिकेडिंग की गई है और आगंतुकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए 80 सेक्टर तैयार किए जा रहे हैं।

मुख्य परिपथ मार्ग का निर्माण कार्य भी जारी है, जहां से प्रधानमंत्री मोदी गुजरेंगे एवं जनता का अभिवादन स्वीकार करेंगे।

एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने सुरक्षा प्रबंधों का निरीक्षण कर पुलिस बल को सतर्क एवं मुस्तैद रहने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त विश्वदीप, अपर कलेक्टर नम्रता जैन (आईएएस), जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन सहित पुलिस एवं अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ राज्य रजत जयन्ती महोत्सव और राज्योत्सव पर विशेष स्वच्छता पखवाड़ा

रायपुर नगर पालिक निगम जोन 9 के 98 सफाई मित्रों, स्वच्छता दीदियों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण0

रायपुर - छत्तीसगढ़ राज्य नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य रजत जयन्ती महोत्सव और छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के अवसर पर रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चैबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर, जोन 9 जोन अध्यक्ष श्री गोपेश साहू, आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम जोन 9 क्षेत्र में सफाई मित्र स्वास्थ्य सुरक्षा शिविर लगाकर जोन 9 के 98 सफाई मित्रों और स्वच्छता दीदियों का स्वास्थ्य परीक्षण श्रीबालाजी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल प्रबंधन के सहयोग से नगर निगम जोन 9 स्वास्थ्य विभाग द्वारा किया गया. चिकित्सकों ने जोन 9 के सफाई मित्रों और स्वच्छता दीदियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें जीवन में स्वस्थ रहने उपयोगी चिकित्सकीय परामर्श दिया. साथ ही परीक्षण उपरांत आवश्यक दवाईयां दीं। विशेष स्वच्छता पखवाड़ा अंतर्गत सफाई मित्र स्वास्थ्य सुरक्षा परीक्षण शिविर की व्यवस्था का प्रत्यक्ष निरीक्षण नगर निगम जोन 9 जोन कमिश्नर श्री अंशुल शर्मा सीनियर ने कार्यपालन अभियंता श्री शरद ध्रुव, जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री बारोन बंजारे, स्वच्छता निरीक्षक श्री भोला तिवारी की उपस्थिति में किया।

रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा नगर निगम सामान्य सभा में पहुंचे, महापौर श्रीमती मीनल ने किया आत्मीय स्वागत

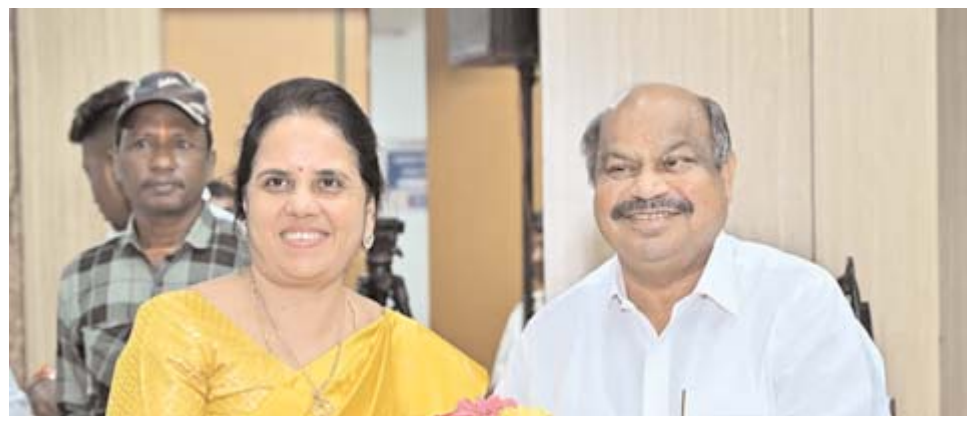

उत्तर विधायक ने नगर निगम नेता प्रतिपक्ष अधिमान्य होने पर पार्षद श्री आकाष तिवारी को दी हार्दिक बधाई रायपुर निगम के पार्षदो को सामान्यसभा में नगर विकास के एजेण्डो पर चर्चा होने पर दी हार्दिक बधाई 0

रायपुर - आज रायपुर नगर पालिक निगम में सामान्य सभा की बैठक सभापति श्री सूर्यकांत राठौड़ के सभापतित्व में नगर निगम मुख्यालय के चतुर्थ तल पर निगम सामान्य सभा कक्ष में हुई जिसमें नियमानुसार प्रक्रिया के तहत निर्धारित सभी 14 एजेण्डो को सामान्य सभा में पटल पर रखकर चर्चा व विचार विमर्ष किया गया एवं चर्चा उपरांत सभी एजेण्डे बहुमत के आधार पर पारित किये गये । इसके पूर्व पिछली सामान्य सभा की बैठक की कार्यवाही की पुष्टि की गई एवं नियमानुसार निर्धारित प्रष्नकाल हुआ। सामान्य सभा की बैठक में भोजन अवकाष पष्चात रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा पहुंचे सामान्य सभा की बैठक में पहुंचने पर रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा का नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चैबे , नेता प्रतिपक्ष श्री आकाष तिवारी, सामान्य सभा की बैठक में रायपुर नगर निगम आयुक्त श्री विष्वदीप के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित नगर निगम अपर आयुक्त श्री पंकज के. शर्मा ने बुके प्रदत्त कर आत्मीय स्वागत किया।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

जल संरक्षण के महत्व समझें

विश्व भर में सभी देशों में जल संरक्षण के महत्त्व को समझने व समझाने के लिए विश्व जल दिवस मनाया जाता है। बढ़ते जल संकट की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए विश्व जल दिवस को यूएन ने प्रमुखता दी है। हर साल इसकी अलग थीम भी रखी जाती है। इस वर्ष विश्व जल दिवस की थीम क्या है? क्या है इसके मायने? कैसे हुई इसकी शुआत? दुनिया को क्यों इस ध्यान देने की जरूरत है। जल ही जीवन है। यह लाइन तो कई बार सुनी होगी, आज भी बढ़ते जल संकट के बीच, इस लाइन को सार्थक करने के प्रति मानव की सजगता और जागरूकता अपने मुकाम तक नहीं पहुंची जहां वह खुद जीवन बचाने के लिए दिखाई दे।

हवा की सिसकन।

कुछ पगडंडियाँ ,
कभी हमारी हँसी और
कदमों की गूँज से भर उठती
आज वही पगडंडियाँ मौन हैं,
उनकी मिट्टी में अब सिर्फ़हवा की सिसकन है।

हमारे कदमों के चिन्ह
धुंधली यादों में घुल गए हों,
हर मोड़ पर, हर मोड़ के बाद,
सुनसान पत्थरों की हिचकी।
पत्तों की फुसफुसाहट बची है।
रास्ते केवल मिट्टी नहीं
वे हमारी इच्छाओं
असमय ख़त्म हुई
खोजों में दबे प्रश्न हैं,
वे पगडंडीयाँ जिस पर
हम बचपन की ओर भागते ,
वहाँ केवल पेड़ों की छाया खेलतीं
और हमारी हँसी
हवा में बिखरी,
जैसे कभी रही ही नहीं।

कभी सोचा था
रास्ते सिर्फ़धूल और मिट्टी होंगे,
लेकिन अब पता चला
रास्ते हमारी यादों, खोई हुई चाहतों और अधूरी उम्मीदों से बनते रहे हैं।
जब यादें धुँधली होती
पगडंडियाँ भी लुप्त होती जाती हैं ।

हर कदम में एक कहानी दबी हुई ,
हर पत्थर और पत्ता
सिर्फ़अपने अस्तित्व का गवाह है।
और हम?
हम केवल लौटकर देखते हैं,
और पाते हैं कि जो छोड़ गए
वह कभी लौटकर नहीं आएगा।
हमारे पद चिन्ह सिर्फआवाज है
जो दिखते नहीं, महसूस होतें है।
जो पूछते क्या तुम्हारे कदम सच में तुम्हारे थे,
या बस समय की धारा ने तुम्हें वहाँ बहा दिया।

पगडंडियाँ, लुप्त होती हुई,
अनकही कहानियों की गूँज
जहाँ अस्तित्व और समय,
स्मृति और विस्मृति
आपस में घुलते हैं ।

हम कदमों के निशानों में देखते हैं,
और समझते हर खोई पगडंडी,
एक अंतहीन प्रश्न छोड़ जाती है।

संजीव ठाकुर

एसआईआर की सार्थक पहल का विरोध नहीं, स्वागत हो

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बिहार के बाद अब देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष ग्रहण पुनरीक्षण (एसआईआर) की शुरुआत करने की घोषणा करके चुनाव विसंगतियों एवं कमियों को दूर करने का सराहनीय एवं साहसिक कार्य किया है। यह पहल न केवल तकनीकी या प्रशासनिक प्रक्रिया भर है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूत करने की एक निर्णायक कोशिश है। लोकतंत्र की आत्मा उसके निर्वाचन तंत्र की निष्पक्षता और पारदर्शिता में बसती है और चुनाव आयोग का यह कदम उसी दिशा में एक ठोस, सकारात्मक और आवश्यक प्रयास के रूप में देखा जाना चाहिए। बिहार की एसआईआर प्रक्रिया से सबक लेते हुए इस बार आयोग ने प्रक्रिया के लिए अधिक समय दिया है, ताकि बिहार जैसी जल्दबाजी और अफरातफरी से बचा जा सके। आधार कार्ड को एक सहायक दस्तावेज़ के रूप में स्वीकार किया जाएगा, जिससे प्रक्रिया सरल बनेगी।

निश्चित ही इस बार 12 राज्य संख्या में ज्यादा हैं तो चुनौती भी उसी हिसाब से ज्यादा बड़ी है। उम्मीद कर सकते हैं कि बिहार में पुनरीक्षण प्रक्रिया में आई दिक्कतें अब आयोग के लिए अनुभव का काम करेंगी और वहां जैसी परेशानी बाकी जगहों पर लोगों को नहीं उठानी पड़ेगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एसआईआर के शिड्यूल का ऐलान करते हुए कहा कि प्रक्रिया यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी योग्य मतदाता छूट न जाए और कोई भी अयोग्य मतदाता लिस्ट में शामिल न हो। जिन राज्यों को दूसरे चरण में चुना गया है, उनमें उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, गोवा, केरल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप हैं, इनमें से केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। असम में भी अगले ही साल विधानसभा चुनाव है, लेकिन उसे दूसरे चरण से बाहर रखा गया। आयोग ने इस बार आधार कार्ड को लेकर रुख पहले ही साफ कर दिया है कि यह जन्म, नागरिकता या निवास प्रमाण पत्र के रूप में मान्य नहीं होगा, लेकिन एसआईआर में इसे एक डॉक्युमेंट के रूप में पेश किया जा सकेगा। यह स्पष्टता इसलिए जरूरी थी, क्योंकि बिहार में पहले चरण के दौरान आधार कार्ड का मसला सुप्रीम कोर्ट तक चला गया था। दस्तावेज ऐसे होने चाहिए, जो अधिकतम आबादी की पहुंच में हों और आधार आज पहचान का सबसे सरल जरिया है।

मतदाता सूची की सटीकता, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता लोकतंत्र की रीढ़ है। भारत जैसे विशाल और विविधता वाले देश में मतदाता सूची की सटीकता सबसे बड़ी चुनौती है। इसलिये एक निश्चित अन्तराल के बाद एसआईआर की प्रक्रिया होते रहना अपेक्षित है। इसके पहले एसआईआर करीब दो दशक पहले किया गया था। कम से कम अब तो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि एसआईआर में इतना अंतराल न आने पाए, क्योंकि अब लाखों लोग नौकरी-पेशे के चलते अन्यत्र चले जाते हैं। इनमें से अधिकांश वहीं बस जाते हैं। कई बार देखा गया है कि मृत व्यक्तियों के नाम सूची में बने रहते हैं, वहीं नये पात्र नागरिकों के नाम दर्ज नहीं हो पाते। ग्रामीण इलाकों से लेकर महानगरों तक, इस विसंगति के चलते मतदान प्रतिशत प्रभावित होता है और चुनावी परिणामों की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगता है। एसआईआर का मकसद किसी की नागरिकता तय करना या ज्यादा से ज्यादा लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर करना नहीं है। इसे इतना सरल होना चाहिए, जिससे लोग वोटर बनने के लिए प्रेरित हों और उनमें लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व के लिए उत्साह जगे। मुख्य चुनाव आयुक्त की यह पहल-इन खामियों को दूर करने की दिशा में एक संगठित और वैज्ञानिक लोकतांत्रिक प्रयास है। यदि यह कार्य धरातल पर ईमानदारी से लागू हुआ, तो यह मतदाता सूची की पवित्रता और लोकतंत्र की गरिमा दोनों को बढ़ाएगा।

भारत जैसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिये यह बहुत जरूरी है, इसके लिये राजनीतिक दलों की भूमिका एवं सहयोग अपेक्षित है, वे इस प्रक्रिया को सकारात्मक दृष्टि से लें। इस सराहनीय एवं नितांत अपेक्षित उपक्रम के लिये विपक्षी दलों के द्वारा विरोध का वातावरण बनाना एवं आस्तीनें चढ़ाना उनकी विश्वसनीयता एवं जिम्मेदारी पर प्रश्न खड़ा करता है। अक्सर देखा गया है कि जब चुनाव आयोग सुधारात्मक कदम उठाता है, तो विभिन्न राजनीतिक दल अपने-अपने हितों के अनुसार प्रतिक्रिया देते हैं। परंतु लोकतंत्र का स्वास्थ्य तब ही सुदृढ़ होगा जब सभी दल 'पारदर्शिता' को 'राजनीतिक लाभ-हानि' से ऊपर रखेंगे। विपक्ष को चाहिए कि वह इस पहल का विरोध करने की बजाय स्वागत करे और इसे सही दिशा में लागू कराने में सहयोग दे, न कि शंका और अविश्वास के चश्मे से देखे। बहरहाल, राजनीतिक पार्टियों की यह महती जिम्मेदारी है कि वे सिर्फदोषारोपण करने तक सीमित न रहें, बल्कि इस पूरी प्रक्रिया में अपनी जिम्मेदारियां निभाएं। इसी तरह, नागरिक संगठनों के लिए भी यह सक्रिय होने का समय है। उनकी निगरानी बीएलए के काम को अधिक सरल व सटीक बना सकती है। कुल मिलाकर पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने का सपना दिखाने वाले चुनाव आयोग के सामने अभी अपनी इस प्राथमिक जिम्मेदारी को ही निर्विवाद रूप से पूरा करने की चुनौती है।

डिजिटल युग में चुनाव सुधार केवल मानव संसाधन या प्रशासनिक इच्छाशक्ति का नहीं, बल्कि तकनीकी पारदर्शिता का भी प्रश्न है। बायोमेट्रिक सत्यापन, ऑनलाइन नामांकन और डेटा क्रॉस-वेरिफिक्रेशन जैसे उपाय अब आवश्यक हो चुके हैं। विशेष ग्रहण पुनरीक्षण इस दिशा में आधारभूत कार्य करेगा यानी चुनावी डाटा की सफाई और पुनर्गठन। भारत की चुनावी प्रक्रिया विश्व में सबसे बड़े लोकतांत्रिक अभ्यास के रूप में जानी जाती है। लेकिन यह गौरव तभी सार्थक होगा जब मतदाता सूची, मतदान केंद्रों की निष्पक्षता और आचार संहिता के पालन में कोई संदेह न रहे। चुनाव आयोग की यह पहल उसी लक्ष्य की ओर एक ठोस कदम है। लोकतंत्र केवल मतों की गिनती नहीं, बल्कि विश्वास की गिनती है और यह विश्वास चुनाव आयोग की ईमानदारी, पारदर्शिता और सक्रियता पर टिका है। जन-प्रतिनिधित्व कानून, 1950 की धारा 21 चुनाव आयोग को मतदाता सूची तैयार करने और उनको संशोधित करने का अधिकार देती है। मतदाता सूचियों को दुरुस्त करना चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार ही नहीं, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की अनिवार्य आवश्यकता भी है। विडंबना यह है कि कुछ दलों को इस आवश्यकता की पूर्ति किया जाना रास नहीं आ रहा है। उन्होंने बिहार में एसआईआर को लेकर आसमान सिर पर उठाया और वोट चोरी के जुमले के सहारे सड़कों पर उतरने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया। मगर उनकी दाल न सुप्रीम कोर्ट के समक्ष गली और न ही बिहार की जनता के बीच तो इसीलिए कि वे कोरा दुष्प्रचार कर रहे थे।

ज्ञानेश कुमार की यह पहल केवल तकनीकी संशोधन नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्कृति में नवीनीकरण का संदेश है। चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनविश्वास की परीक्षा भी है। यदि यह अभियान ईमानदारी और जनसहभागिता के साथ पूरा होता है, तो यह भारत के लोकतंत्र को और परिपक्व बनाएगा। अब जिम्मेदारी केवल चुनाव आयोग की नहीं, बल्कि हर नागरिक और राजनीतिक दल की भी है कि वे इस सुधारात्मक पहल का स्वागत करें और लोकतंत्र के इस महापर्व को निष्कलंक बनाए रखने में अपनी भूमिका निभाएं। क्या यह विचित्र नहीं कि विपक्षी दल मतदाता सूचियों में गड़बड़ियों की शिकायत भी करते हैं और उनके पुनरीक्षण का विरोध भी? हालांकि उनके दुष्प्रचार की पोल खुल चुकी है, फिर भी चुनाव आयोग को इसके लिए तैयार रहना होगा कि विपक्ष शासित राज्य एसआईआर की प्रक्रिया का विरोध कर सकते हैं। उसे इसके प्रति सतर्क रहना होगा कि मतदाता सूचियों को ठीक करने की प्रक्रिया में किसी तरह की गलती न होने पाए, क्योंकि विपक्षी दल छोटी-छोटी बातों को तूल देकर इस संवैधानिक प्रक्रिया को श्रीहीन करने की चेष्टा कर सकते हैं।

यह निजी विचार है।

बिहार में क्या हरियाणा की सफलता को दोहरा पाएंगे?

विवेक शुक्ला

बिहार में विधानसभा चुनावों का बिगुल बज चुका है। चुनाव आयोग ने मतदान की तारीखों की घोषणा कर दी है– 6 और 11 नवंबर को मतदान होगा, और नतीजे 14 नवंबर को आएंगे।

यह चुनाव केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को दो-तिहाई बहुमत के साथ विजयी बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए भाजपा कार्यकर्ताओं को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। शाह का दावा है कि राजग न केवल पूर्ण बहुमत के साथ बिहार में सरकार बनाएगा, बल्कि घुसपैठियों को राज्य की पवित्र धरती से बाहर भी करेगा।

सीमांचल पर विशेष ध्यान ⁼ अमित शाह का फोकस इस बार सीमांचल (पूर्वोत्तर बिहार) के नौ जिलों पर है, जहां उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं की एक बड़ी टीम तैनात की है। उनकी रणनीति साफ है राजद और एमआईएम के गढ़ में कमल खिलाना। 243 सीटों वाली बिहार विधानसभा में राजग के लिए 160 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखा गया है। सीमांचल में घुसपैठ को मुख्य मुद्दा बनाया जा रहा है, जहां मुस्लिम आबादी काफी है और घुसपैठ हिंदुओं के लिए समस्या बनी हुई है। हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में हिंदू पर्वों और त्योहारों पर पथराव और हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं, जिसे शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंभीरता से लिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले से अपने भाषण में घुसपैठियों के वोटर लिस्ट में शामिल होने के मुद्दे को उठाया था। शाह और मोदी ने कांग्रेस की मतदाता अधिकार यात्रा के जवाब में घुसपैठियों के मताधिकार को मुद्दा बनाया है। चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद लगभग 45 लाख पुराने मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं।

भाजपा के तरकश में कई तीर ⁼ भाजपा केवल घुसपैठ के मुद्दे पर निर्भर नहीं है। अयोध्या में राम मंदिर के बाद बिहार में मां जानकी मंदिर का निर्माण, मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 75 लाख महिलाओं को 10,000 पये का वितरण, और अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार जैसे मुद्दे भी अभियान का हिस्सा हैं। यह चुनाव भाजपा और विशेष रूप से प्रधानमंत्री मोदी के लिए सामान्य नहीं है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मोर्चों पर चुनौतियों के बीच यह चुनाव राजग के लिए बड़ी परीक्षा है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और वैश्विक दबावों का सामना करने की सरकार की दृढ़ता ने भारत को गर्व का विषय बनाया है। सवाल यह है कि क्या मोदी बिहार के मतदाताओं पर अपना जादू चला पाएंगे?

मोदी और शाह का बिहार में दबदबा¯ बिहार में भले ही राजग के बैनर तले चुनाव लड़ा जा रहा हो, लेकिन यह स्पष्ट है कि यह मोदी और शाह का चुनाव है। 2014 से अब तक भाजपा का सफर मोदी युग के नाम से जाना जाता है। यह केवल इसलिए नहीं कि भाजपा केंद्र में सत्तारूढ़ है, बल्कि इसलिए भी कि विश्व ने भारत को मोदी के भारत के रूप में देखना शुरू किया है। मोदी का व्यक्तित्व मेहनत, कुशल टीम और ठोस नियोजन का परिणाम है। 75 वर्ष की आयु में भी वह अपनी रणनीतिक समझ और संगठनात्मक कौशल से सबको प्रभावित करते हैं।

मोदी ने विश्वास निर्माण का अनूठा प्रयोग किया है। 1985-1990 के बीच गुजरात में भाजपा के लिए काम करते हुए उन्होंने और अमित शाह ने पहली बार अपनी जोड़ी का कमाल दिखाया। तब से शाह हर चुनाव में मोदी की जीत के शिल्पकार बने हैं।

बिहार में शाह की रणनीति ⁼ बिहार में एक बार फिर अमित शाह की संगठनात्मक क्षमता की परीक्षा है। हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव परिणामों में उनकी रणनीति की सफलता देखी जा चुकी है। बिहार में भी वह सोशल इंजीनियरिंग पर जोर दे रहे हैं, जिसमें जातिगत समीकरणों को साधना शामिल है। नए चेहरों को पार्टी से जोड़ा जा रहा है, और मुद्दों व नारों को अंतिम रूप दे दिया गया है। ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर करना, और देशव्यापी जाति सर्वेक्षण जैसे मुद्दे जोर-शोर से उठाए जाएंगे।

भाजपा ने 40 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है, जिसमें धर्मेंद्र प्रधान प्रभारी हैं और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी शामिल हैं। मंदिर और मंडल दोनों मुद्दों को साथ लेकर चलने में शाह की विसनीयता स्थापित है। अमित शाह की संगठनात्मक क्षमता और नरेंद्र मोदी की रणनीतिक समझ बिहार में राजग की जीत की कुंजी है। गुजरात से लेकर उत्तर प्रदेश तक शाह ने संगठन को मजबूत करने का काम किया है। बिहार में क्या वह हरियाणा की सफलता को दोहरा पाएंगे? यह समय बताएगा।

(लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

अगर सरदार वल्लभभाई पटेल भारत के पहले प्रधानमंत्री होते

लेखक : प्रो. (डा.) मनमोहन प्रकाश

इतिहास में 'अगर' शब्द अपनी अपार संभावनाओं से युगों को झकझोर देता है। राष्ट्र-निर्माण के संदर्भ में भी एक प्रश्न सतत भारतीयों के मन में गूंजता रहता है कि यदि सरदार वल्लभभाई पटेल भारत के प्रथम प्रधानमंत्री होते, तो राष्ट्र की दिशा और दशा कैसी होती?वस्तुतः यह केवल कल्पना नहीं, बल्कि इतिहास की संभावनाओं की गंभीर पड़ताल है।

लौह संकल्प के निर्माता सरदार पटेल भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के उन महामानवों में थे जिन्होंने तलवार नहीं, बल्कि संगठन-शक्ति, दृढ़ इच्छाशक्ति और अद्वितीय प्रशासनिक दृष्टि एवं क्षमता से भारत के भूगोल और चेतना का पुनर्निर्माण किया। ÷लौहपुरुष÷ उपाधि केवल उनकी कठोरता का नहीं, बल्कि अनुशासित व्यवहार और निर्णयात्मक नेतृत्व का प्रतीक थी।उन्होंने लगभग 562 रियासतों को भारतीय संघ में सम्मिलित कर यह सिद्ध कर दिया कि राजनीतिक इच्छाशक्ति जब राष्ट्रीय उद्देश्य से प्रेरित हो, तो असंभव भी संभव हो जाता है।

मेरा ऐसा मानना है कि यदि सरदार पटेल भारत के प्रथम प्रधानमंत्री होते, तो भारत का संघीय ढाँचा और भी संयमित एवं सुदृढ़ होता। हैदराबाद, जूनागढ़ और कश्मीर जैसे जटिल प्रश्नों को जिस निर्णायकता से उन्होंने गृह मंत्री रहते हुए सुलझाया, उसी दृष्टि से वे सीमांत समस्याओं विशेषकर पाकिस्तान, तिब्बत और पूर्वोत्तर सीमा के लिए प्रारंभिक स्तर पर कठोर और व्यावहारिक नीतियाँ अपनाते। संभवतः राज्य बनाम केंद्र का संघर्ष जिस रूप में बाद के दशकों में उभरा, उसकी तीव्रता बहुत कम होती।शासन में अनुशासन और उत्तरदायित्व चरम पर होता।

वास्तव में आदरणीय पटेल जी अपने समय के सर्वाधिक व्यावहारिक प्रशासक थे। उन्होंने स्वतंत्र भारत की भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा की स्थापना सुनिश्चित की ताकि नवगठित भारत को एक अनुभवी, निष्पक्ष और राष्ट्रनिष्ठ नौकरशाही मिल सके। यदि वे प्रधानमंत्री होते, तो शासन-तंत्र में 'कर्तव्य अनुशासन' सर्वोच्च पर होता। निर्णय क्षमता और क्रियान्वयन का संतुलन स्थापित होता। ÷कम योजनाएँ, अधिक परिणाम÷ ध्येय बनता।

पटेल जी की अंतरराष्ट्रीय दृष्टि आदर्शवाद से नहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा और स्वाभिमान की व्यावहारिकता से प्रेरित थी। 1949 में ही उन्होंने नेहरू को पत्र लिखकर चेताया था कि ÷चीन की नीति पर भरोसा करना भविष्य में महँगा साबित होगा।÷यदि वे प्रधानमंत्री होते, तो शायद भारत की विदेश नीति ÷भारत पहले÷ के सिद्धांत पर आधारित होती। पंचशील के आदर्श सिद्धान्त के स्थान पर वे सामरिक तैयारी और सीमा सुरक्षा को प्राथमिकता देते। सम्भवतः 1962 का चीन युद्ध या तो टल जाता, या भारत उससे कहीं अधिक सामरिक तैयारी के साथ लड़ता।

किसान-पुत्र होने के नाते पटेल जी भलीभाँति जानते थे कि भारत की आत्मा गाँवों में बसती है। यदि वे प्रधानमंत्री होते, तो कृषि-सुधार और ग्रामीण स्वावलंबन आर्थिक नीति का अभिन्न अंग बनते। वे निजी क्षेत्र और सहकारिता के बीच संतुलन स्थापित करते। केंद्रीकृत योजना व्यवस्था के स्थान पर वे उत्पादन बढ़ाने में जन-सहभागिता को महत्व देते। संभवतः ÷आत्मनिर्भर भारत÷ का विचार उसी दौर में नीति का मूल दर्शन बन जाता। इतना ही नहीं पटेल जी संविधान सभा में व्यवहारिक और स्पष्ट चिंतन के पक्षधर थे। वे लोकतंत्र को केवल मताधिकार नहीं, बल्कि कर्तव्य-शासन मानते थे। यदि वे प्रधानमंत्री होते, तो राजनीतिक दलों में वैचारिक अनुशासन और राष्ट्रहित सर्वोच्च मूल्य होता। गुटबाजी और व्यक्तिगत सत्ता-लालसा को वे प्रारंभ में ही नियंत्रित कर लेते, जिससे शासन-सातत्य और नीति-स्थिरता अधिक मजबूत होती।

पटेल जी की धर्मनिरपेक्षता भारतीय परंपरा की समन्वय भावना पर आधारित थी जिसमें सभी धर्म एक ही लक्ष्य की ओर अग्रसर माने जाते हैं। वे धार्मिक सहिष्णुता को जीवन-मूल्य मानते थे, किंतु राष्ट्रहित के प्रतिकूल उग्र या विभाजनकारी आग्रहों को कभी सहन नहीं करते। यदि वे प्रधानमंत्री होते, तो भारत की धर्मनिरपेक्षता सांस्कृतिक समरसता पर अधिक आधारित होती, न कि पश्चिमी निरपेक्षता के आयातित मॉडल पर।

निष्कर्ष रूप में यह कहा जा सकता है कि यह भारत का दुर्भाग्य ही था कि उसे सरदार पटेल जैसा कर्मनिष्ठ राष्ट्रशिल्पी प्रधानमंत्री के रूप में नहीं मिल सका। यदि वे होते, तो भारत की नींव अधिक मजबूत, सीमाएँ अधिक सुरक्षित, शासन अधिक अनुशासित और आर्थिक नीति अधिक स्वावलंबी होती। इतिहास बदल नहीं सकता, पर उससे दिशा ली जा सकती है। आज जब भारत ÷विकसित राष्ट्र÷ की राह पर अग्रसर है, तब पटेल का सन्देश हमें स्मरण कराता है कि ÷एकता ही शक्ति है; और राष्ट्रहित से बढ़कर कोई स्वार्थ नहीं।÷

यह निजी विचार है।

भारत का विकास ऊर्जा और समुद्री शक्ति से जुड़ा है: श्री हरदीप सिंह पुरी

एजेंसी

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने भारत समुद्री सप्ताह 2025 के अंतर्गत मुंबई में आयोजित 'भारत के समुद्री विनिर्माण को पुनर्जीवित करने वाले सम्मेलन' को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत का तीव्र आर्थिक विकास उसके ऊर्जा और नौवहन क्षेत्रों की प्रगति से निकटता से जुड़ा है, जो मिलकर राष्ट्रीय विकास के मजबूत स्तंभ हैं।मंत्री ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था तेज़ी से बढ़ रही है, और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) अब लगभग 4.3 ट्रिलियन डॉलर है। इसका लगभग आधा हिस्सा बाहरी क्षेत्र से आता है, जिसमें निर्यात, आयात और प्रेषण शामिल हैं। यह दर्शाता है कि व्यापार–और इसलिए नौवहन–भारत की आर्थिक प्रगति के लिए कितना महत्वपूर्ण है।

ऊर्जा क्षेत्र के बारे में बोलते हुए, श्री पुरी ने कहा कि भारत वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 5.6 मिलियन बैरल कच्चे तेल की खपत करता है, जबकि साढ़े चार साल पहले यह 5 मिलियन बैरल था। वर्तमान विकास दर के साथ, देश जल्द ही 60 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुँच जाएगा। उन्होंने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, अगले दो दशकों में वैश्विक ऊर्जा माँग में वृद्धि में भारत का योगदान लगभग 30 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो पहले के 25 प्रतिशत के अनुमान से कहीं अधिक है। उन्होंने आगे कहा कि बढ़ती ऊर्जा आवश्यकता स्वाभाविक रूप से दुनिया भर में तेल, गैस और अन्य ऊर्जा उत्पादों को ले जाने के लिए भारत की जहाजों की आवश्यकता को बढ़ाएगी।

मंत्री ने बताया कि 2024-25 के दौरान, भारत ने लगभग 30 करोड़ मीट्रिक टन कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का आयात किया और लगभग 6.5 करोड़ मीट्रिक टन का निर्यात किया। अकेले तेल और गैस क्षेत्र भारत के कुल व्यापार का लगभग 28 प्रतिशत हिस्सा है, जिससे यह बंदरगाहों द्वारा संचालित सबसे बड़ी एकल वस्तु बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत वर्तमान में अपनी लगभग 88 प्रतिशत कच्चे तेल और 51 प्रतिशत गैस की ज़रूरतों को आयात के माध्यम से पूरा करता है, जो दर्शाता है कि देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए शिपिंग उद्योग कितना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने बताया कि माल ढुलाई लागत कुल आयात बिल का एक

महत्वपूर्ण हिस्सा है। तेल विपणन कंपनियाँ संयुक्त राज्य अमेरिका से कच्चे तेल के परिवहन के लिए लगभग 5 डॉलर प्रति बैरल और मध्य पूर्व से लगभग 1.2 डॉलर प्रति बैरल का भुगतान करती हैं। पिछले पाँच वर्षों में, आईओसीएल, बीपीसीएल और एचपीसीएल जैसी भारतीय सार्वजनिक उपक्रमों ने जहाज़ों को किराए पर लेने पर लगभग 8 अरब डॉलर खर्च किए हैं, यह वह राशि है जिससे भारतीय स्वामित्व वाले टैंकरों का एक नया बेड़ा बनाया जा सकता था।

श्री पुरी ने बताया कि भारत का केवल लगभग 20 प्रतिशत व्यापारिक माल भारतीय ध्वज वाले या भारत के स्वामित्व वाले जहाजों पर ढोया जाता है। उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए अपने जहाज़ स्वामित्व और विनिर्माण क्षमता को बढ़ाने के लिए एक चुनौती और अवसर दोनों प्रस्तुत करता है। सरकार भारतीय वाहकों को दीर्घकालिक चार्टर देने के लिए सार्वजनिक उपक्रमों की कार्गो माँग को एकत्रित करने, जहाज़ स्वामित्व और पट्टे (एसओएल) मॉडल को आगे बढ़ाने, किफायती जहाज़ वित्तपोषण के लिए एक समुद्री विकास कोष स्थापित करने और एलएनजी, ईथेन और उत्पाद टैंकरों के लिए अधिक समर्थन के साथ जहाज़ निर्माण वित्तीय सहायता नीति 2.0 को लागू करने जैसे कदमों पर काम कर रही है।

मंत्री महोदय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत के समुद्री क्षेत्र में पिछले ग्यारह वर्षों में बड़े बदलाव हुए हैं। बंदरगाहों की क्षमता 2014 के 872 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष से बढ़कर आज 1,681 मिलियन मीट्रिक टन हो गई है, जबकि कार्गो की मात्रा 581 मिलियन टन से बढ़कर लगभग 855 मिलियन टन हो गई है। उन्होंने कहा कि दक्षता में भी सुधार हुआ है, जिससे टर्नअराउंड समय में 48 प्रतिशत और निष्क्रिय समय में 29 प्रतिशत की कमी आई है। सागरमाला कार्यक्रम के तहत बंदरगाहों के आधुनिकीकरण और तटीय क्षेत्रों को जोड़ने के लिए 5.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएँ पहले ही शुरू की जा चुकी हैं।

उन्होंने कहा कि भारत के शिपयार्ड जैसे कोचीन शिपयार्ड, मझगांव डॉक, जीआरएसई कोलकाता, एचएसएल विशाखापत्तनम और गोवा तथा गुजरात के निजी यार्ड अब विश्व स्तरीय जहाज बना रहे हैं। एलएनजी और ईथेन वाहकों के लिए एलएंडटी और देवू के साथ कोचीन शिपयार्ड जैसी साझेदारियाँ, और मित्सुई ओएसके लाइन्स के साथ सहयोग, भारतीय शिपयार्ड में वैश्विक तकनीक लाने में मदद कर रहे हैं। मंत्री महोदय ने कहा कि जहाज निर्माण उद्योग को बुनियादी ढाँचे और कुशल जनशक्ति को बनाए रखने के लिए दीर्घकालिक योजना और स्थिर ऑर्डर की आवश्यकता है। चूँकि कई वैश्विक शिपयार्ड अगले छह वर्षों के लिए बुक हैं, इसलिए भारत को उन्हें भारत में ही निवेश करने और जहाज बनाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

भविष्य की ओर देखते हुए, उन्होंने कहा कि समुद्री क्षेत्र में 2047 तक लगभग 8 ट्रिलियन रुपये का निवेश आने और लगभग 1.5 करोड़ रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा और अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा जैसी पहलों के माध्यम से वैश्विक व्यापार मार्गों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जो भारतीय बंदरगाहों को यूरोप, मध्य एशिया और अफ्रीका से जोड़ते हैं।

अपने संबोधन का समापन करते हुए, श्री पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत अपने महासागरों को बाधाओं के रूप में नहीं, बल्कि विकास और समृद्धि के मार्ग के रूप में देखता है। देश बंदरगाहों का आधुनिकीकरण कर रहा है, अधिक जहाज बना रहा है, हरित नौवहन को बढ़ावा दे रहा है और अपने युवाओं के लिए रोजगार सृजित कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत समुद्री क्षेत्र को और अधिक सुगम बनाने के लिए वैश्विक भागीदारों के साथ काम करने के लिए तैयार है।

राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन पर तीसरा राष्ट्रीय सम्मेलन कल

पीआईबी। नेवा 'एक राष्ट्र, एक एप्लीकेशन' पहल को सुदृढ़ करेगा और पूरे भारत में डिजिटल विधानमंडलों को बढ़ावा देगा

संसदीय कार्य मंत्रालय कल (30 अक्टूबर, 2025) नई दिल्ली के संसदीय सौंध के मुख्य समिति कक्ष में राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन (नेवा) पर तीसरा राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रहा है।

केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री श्री किरेन रिजिजू और संसदीय कार्य तथा सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे। संसदीय कार्य मंत्रालय के सचिव श्री निकुंज बिहारी ढल और अपर सचिव डॉ. सत्य प्रकाश भी सम्मेलन के दौरान उपस्थित रहेंगे।

इस सम्मेलन में 100 से अधिक प्रतिभागी भाग लेंगे, जिनमें संबंधित राज्य सरकारों के विधानमंडलों के सचिव और नोडल विभागों के सचिव शामिल होंगे, जो अपने-अपने राज्यों में नेवा परियोजना के कार्यान्वयन और संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

नेवा, भारत सरकार के डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत 44 मिशन मोड परियोजनाओं (एमएमपी) में से एक है। इसका उद्देश्य सभी राज्य विधानमंडलों के कामकाज को कागज़ रहित बनाना, उन्हें 'डिजिटल सदनों' में परिवर्तित करना और 'एक राष्ट्र, एक अनुप्रयोग' के विजन के तहत सभी 37 विधानमंडलों को एक ही डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर एकीकृत करना है।

यह सम्मेलन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में नेवा कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा करने, सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों को साझा करने और सभी शेष विधानमंडलों को नेवा प्लेटफ़ॉर्म पर लाने में तेज़ी लाने के लिए प्रचालनगत और तकनीकी मुद्दों के समाधान के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा।

चर्चा के प्रमुख बिंदुओं में विधायी प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने, डेटा की पहुंच में सुधार, नियमित कार्यों को स्वचालित करने और नेवा (नेवा) प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से विधान सभाओं के कामकाज में पारदर्शिता तथा जवाबदेही को और सुदृढ़ करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों के संभावित उपयोग पर चर्चा होगी।

संसदीय कार्य मंत्रालय नेवा (नेवा) के माध्यम से भारत के विधायी संस्थानों को पूरी तरह से डिजिटल, कुशल और पारदर्शी संस्थाओं में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे डिजिटल इंडिया और सुशासन के व्यापक लक्ष्यों में योगदान मिलेगा।

रायल क्रिकेट क्लब उमरवाही में क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

खेल से ही युवा शक्ति का निर्माण : किरण रविन्द्र वैष्णव

राजनांदगांव।

दिनांक 29 अक्टूबर 2025। खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम उमरवाही में रायल क्रिकेट क्लब के तत्वावधान में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ हर्षोल्लास और उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत सभापति श्री गोपाल भुआर्य ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा मंडल कुमर्दा अध्यक्ष श्री हिरदे राम देवांगन तथा जनपद सदस्य श्रीमती हरिला चंद्रवंशी शामिल हुईं।

मुख्य अतिथि श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव ने बैटिंग कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि ङ्क

÷ग्रामीण अंचलों में ऐसे खेल आयोजन न केवल युवाओं की प्रतिभा

को निखारते हैं, बल्कि समाज में एकता, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना भी विकसित करते हैं। खेलों के माध्यम से ही सशक्त और ऊर्जावान समाज का निर्माण संभव है। पंचायत स्तर पर खेल मैदानों और सुविधाओं के विकास के लिए हरसंभव सहयोग दिया जाएगा।÷

कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री गोपाल भुआर्य ने कहा कि ङ्क

÷खेल जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह युवाओं में अनुशासन, समर्पण और टीम भावना का विकास करता है। हमें अपने बच्चों को खेलों के प्रति प्रेरित करना चाहिए।÷

जनपद सदस्य श्रीमती हरिला चंद्रवंशी ने कहा कि ÷खेल भावना हमें एकजुट करती है। हार-जीत से ऊपर उठकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करना ही सच्चे खिलाड़ी की पहचान है।÷

इस अवसर पर कुमार साहू (भाजपा मंडल गैंदाटोला उपाध्यक्ष), भूपेंद्र नायक (पूर्व जनपद सदस्य), सीमा चंद्रवंशी (सरपंच भंडारपुर), रामाधीन रावटे (सरपंच उमरवाही), शेष नारायण तिवारी (उपसरपंच उमरवाही), ठाकुर राम यादव (शाला समिति अध्यक्ष), अंत तिवारी (जिला युवा मोर्चा मंत्री), विनय श्रीवास्तव, मुकेश भुआर्य, लक्ष्मीचंद सांखला, सोहदी बाई, ईश्वरी बाई, अकलहीन बाई (पंच) सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

अंत में सभी अतिथियों ने रायल क्रिकेट क्लब उमरवाही के पदाधिकारियों और सदस्यों को सफल आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्य अतिथि श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव द्वारा बल्ला चलाकर खिलाड़ियों को उत्साहित किया गया और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया गया।

बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा के प्रचार हेतु गए छत्तीसगढ़ के कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल और विधायक द्वय सुशांत शुक्ला व भावना बोहरा ने भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी तथा बिहार विधान परिषद में भाजपा के मुख्य सचेतक डॉ. संजय मयूख को पटना स्थित निवास पर जाकर छठ महापर्व की बधाई दी।

केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता धर्मेंद्र प्रधान मंगलवार, 28 अक्टूबर, 2025 को नई दिल्ली में छठ पूजा समारोह के दौरान छठ व्रतियों के साथ उगते सूर्य को सुबह का अर्घ्य देते हुए।

भारत और नेपाल ने विद्युत क्षेत्र में सहयोग को सुदृढ़ किया

नेपाल के ऊर्जा मंत्री श्री कुलमन घीसिंग ने केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल से मुलाकात की

पीआईबी

नेपाल के ऊर्जा, जल संसाधन एवं सिंचाई मंत्री श्री कुलमन घीसिंग ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय विद्युत और आवास एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल से मुलाकात की। बैठक में दोनों देशों के बीच विद्युत क्षेत्र में जारी सहयोग को सुदृढ़ करने पर चर्चा हुई। नेपाल में जलविद्युत परियोजनाओं के विकास की प्रगति सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय ग्रिड कनेक्टिविटी पहलों पर भी विचार-विमर्श किया, जिसका उद्देश्य सीमा पार बिजली व्यापार को सुगम बनाना, ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करना और भारत तथा नेपाल के बीच स्वच्छ ऊर्जा संसाधनों के व्यापक एकीकरण को बढ़ावा देना है।

श्री मनोहर लाल और श्री कुलमन घीसिंग की उपस्थिति में, भारत के महारत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) पावरग्रिड और नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के बीच संयुक्त उद्यम और शेयरधारक समझौतों (जेवी एंड एसएचए) पर

हस्ताक्षर किए गए। ये समझौते उच्च क्षमता वाले सीमा पार विद्युत पारेषण अवसंरचना के विकास हेतु दो संयुक्त उद्यम संस्थाओं - एक भारत में और एक नेपाल में- के गठन के लिए हैं। प्रस्तावित सीमा-पार पारेषण प्रणाली परियोजनाओं में इनारुवा (नेपाल) - न्यू पूर्णिया (भारत) 400 केवी डबल सर्किट (क्वाड मूस) पारेषण लिंक और लमकी (डोडोधारा) (नेपाल) - बरेली (भारत) 400 केवी डबल सर्किट (क्वाड मूस) पारेषण लिंक का विकास शामिल है। पूरा होने पर, ये पारेषण गलियारे भारत और नेपाल के बीच बिजली के आदान-प्रदान को काफ़ी बढ़ाएंगे, क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करेंगे, ग्रिड की क्षमता में सुधार लाएंगे और दोनों देशों में सतत आर्थिक विकास में योगदान देंगे। आज की बैठक भारत-नेपाल ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ते सहयोग को सुदृढ़ करती है, जो दशकों पुराने राजनयिक संबंधों और सतत विकास एवं ऊर्जा सुरक्षा के प्रति साझा प्रतिबद्धता पर आधारित है।

मल्टी-कमोडिटी एक्सचेंज में तकनीकी गड़बड़ी, देरी से शुरू होगा कारोबार

नईदिल्ली, देश के सबसे बड़े कमोडिटी ट्रेडिंग एक्सचेंज मल्टी-कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में मंगलवार (28 अक्टूबर) को तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण ट्रेडिंग शुरू होने में देरी हुई। पहले एमसीएक्स पर ट्रेडिंग सुबह 9ः00 बजे के बजाय 9ः30 बजे शुरू होनी थी, जिसे बाद में बढ़ाकर 10ः30 बजे कर दिया गया। एक्सचेंज ने समस्या का कारण या प्रकृति के बारे में नहीं बताया, लेकिन बयान के अनुसार, एमसीएक्स सुबह 10ः30 बजे डिजास्टर रिकवरी (ष्ठक्र) साइट से कमोडिटी ट्रेडिंग शुरू करेगा। एमसीएक्स की वेबसाइट पर एक मैसेज में कहा गया है, सुबह 10ः11 बजे तक का अपडेट- सदस्यों से अनुरोध है कि वे ध्यान दें कि तकनीकी समस्या के कारण ट्रेडिंग सुबह 10ः30 बजे शुरू होगी। ट्रेडिंग ष्ठक्र से शुरू होगी। असुविधा के लिए खेद है। यह कमोडिटी डेरिवेटिव्स एक्सचेंज मूल्य के हिसाब से कमोडिटी वायदा कारोबार में लगभग 98 फीसदी हिस्सेदारी रखता है। एक्सचेंज सोना-चांदी, ऊर्जा, बेस मेटल और कृषि वस्तुओं में व्यापार की सुविधा प्रदान करता है। कमोडिटी ट्रेडिंग एक्सचेंज में तकनीकी समस्या तब आई, जब एक्सचेंज ने एमसीएक्स आईकॉमडेक्स बुलियन इंडेक्स (एमसीएक्स बुलडेक्स) पर विकल्प अनुबंध शुरू किए।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

मांगो का शीघ्र निराकरण नहीं हुआ तो होगा उग्र आंदोलन

विधायक किसानों की समस्या को लेकर उतरे सड़क पर, किया एसडीएम का घेराव

जांजगीर-चांपा।

जिले के पामगढ़ में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं विधायक श्रीमती शेषराज हरवंश के नेतृत्व में बुधवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किसानों एवं जनता की विभिन्न समस्याओं को लेकर जमकर विरोध प्रदर्शन करते हुए एसडीएम कार्यालय का घेराव कर विभिन्न जनहित मांगों का ज्ञापन सौंपा।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा के विष्णु देव की सरकार कूटनीति पूर्वक किसानों के धान खरीदी के रकबे में गिरदावरी का हवाला देकर अनावश्यक कटौती की जा रही है, जिससे किसानों को नुकसान हो रहा है। उन्होंने इस प्रक्रिया को तत्काल रोकने की मांग की। किसानों की एग्रीस्टेक आईडी पंजीकरण में अनावश्यक देरी हो रही है, जिससे वे धान बेचने से वंचित हो सकते हैं। कांग्रेस ने मांग की कि पूर्व में पंजीकृत किसानों का पंजीकरण आगे बढ़ाया जाए। इसके अतिरिक्त, बाजार में खाद और कीटनाशक दवाओं की ऊंची दरों पर बिक्री पर रोक लगाने और प्रशासन द्वारा सख्त नियंत्रण की मांग की गई। क्षेत्र की जर्जर सड़कों की मरम्मत और दुर्घटना संभावित स्थलों पर चेतावनी बोर्ड लगाने की भी मांग की गई, ताकि आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। विष्णु सरकार की इस कुटनीति के खिलाफब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित एसडीएम कार्यालय घेराव एवं धरना प्रदर्शन में सम्मिलित होकर किसानों की आवाज बुलंद की और उनकी मांगों को एसडीएम के सामने रखा। अगर शासन-प्रशासन ने किसानों की मांगें नहीं मानी तो आगामी दिनों में कड़ा आंदोलन किया जाएगा।

इस दौरान कार्यक्रम में सन्तोष गुप्ता , प्रदेश कांग्रेस सचिव हरप्रसाद साहु , पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष राघवेन्द्र प्रताप सिंह, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नवल सिंह , देवकुमार पाण्डेय जिलाध्यक्ष कांग्रेस सेवादल , जिलाध्यक्ष राजीव गांधी पंचायती राज नीरज खूंटे , सुरेश तिवारी, मनोज तिवारी , राजेन्द्र यादव, प्रेमंद यादव, घासीराम चौहान,किशोर सिंह, राजकपूर साहू,कल्याण बर्मन, घनश्याम साहू, ओंकार कश्यप,अशोक खूँटे, पार्षद आकाश यादव,विजय यादव सहित वरिष्ठ कांग्रेसी, सम्मानित पदाधिकारीगण, कांग्रेस के कर्मठ सिपाही कार्यकर्तागण एवं बड़ी संख्या में किसान व आमजन उपस्थित रहे।

मांगों का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन विधानसभा तक पहुंचेगा

विधायक श्रीमती शेषराज हरवंश के नेतृत्व में एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया और शांतिपूर्वक घेराव समाप्त किया। विधायक श्रीमति हरवंश ने कहा कि यह लड़ाई किसानों और जनता के अधिकारों की है और यदि प्रशासन ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो आंदोलन सड़क से लेकर विधानसभा तक पहुंचेगा।

श्री रामलला एवं काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन के लिए जिले से श्रद्धालुओं का दल रवाना

जांजगीर-चांपा

राज्य शासन द्वारा श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम में भगवान श्री रामलला तथा भगवान काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन कराने हेतु संचालित श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना के अंतर्गत आज जिले से श्रद्धालुओं का दल रवाना हुआ। इस योजना के माध्यम से श्रद्धालुओं को निःशुल्क यात्रा, दर्शन, आवास, भोजन और सुरक्षा की संपूर्ण व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है। श्री रामलला दर्शन अयोध्या धाम योजना अंतर्गत आज खोखरा से जिले के कुल 187 श्रद्धालुओं को लेकर बस अयोध्या धाम दर्शन यात्रा के लिए रवाना हुई। यह बस जिले के श्रद्धालुओं को बिलासपुर रेलवे स्टेशन तक ले जाएगी, जहाँ से विशेष ट्रेन द्वारा अयोध्या धाम के लिए प्रस्थान किया जाएगा। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष जांजगीर-नैला श्रीमती रेखा देवा गढ़ेवाल, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती उमा राजेन्द्र राठौर, जिला पंचायत सदस्य सुश्री आशा साव, नगर पालिका जांजगीर-नैला उपाध्यक्ष श्री मोहन यादव, पार्षदगण सहित जनप्रतिधियों ने श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं और हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सभी जनप्रतिनिधियों ने श्री रामलला दर्शन योजना की सराहना की एवं यात्रियों को तिलक लगाकर एवं फूलमाला पहनाकर शुभकामनाओं सहित रवाना किया। इस अवसर पर उप संचालक पंचायत श्री अभिमन्यु साहू सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

विकासखंड स्तरीय सांसद खेल महोत्सव का हुआ भव्य आयोजन

सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े ने किया शुभारंभ, खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

जांजगीर-चांपा जिले में आज विकासखंड नवागढ़ अंतर्गत ग्राम मिसदा के मिनी स्टेडियम में आयोजित विकासखंड स्तरीय सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि लोकसभा जांजगीर-चांपा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े ने किया। सांसद श्रीमती जांगड़े ने कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। खेलों से अनुशासन, टीम भावना, आपसी सहयोग और आत्मविश्वास बढ़ता है। उन्होंने कहा यह खेल महोत्सव गांवों की प्रतिभा को निखारने और युवाओं में खेल के प्रति जागरूकता बढ़ाने सराहनीय प्रयास है। ग्रामीण अंचलों के युवाओं में अपार प्रतिभा है, जिन्हें सही अवसर मिलने पर वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकते हैं। सांसद ने सभी खिलाड़ियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेलों में भी अग्रणी बनकर देश-प्रदेश का गौरव बढ़ाएं।

महोत्सव में 100 मीटर दौड़ 15 से 19 वर्ष, गेड़ी दौड़, रस्सा कसी, वालीवाल, 100 मीटर दौड़ 19 से 30 वर्ष, गिल्ली डंडा 15 से 19 वर्ष, खो-खो 15 से 19 वर्ष, कबड्डी, 15 से 19 वर्ष सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विजेता खिलाड़ियों को सांसद श्रीमती जांगड़े ने ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष नवागढ़ श्रीमती कान्ता मोहन कश्यप, जनपद सदस्य श्रीमती सुशीला तिवारी, जनपद सदस्य श्रीमती निशा यादव, मिसदा सरपंच श्री सागर कुर्रे, श्री पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह, श्री लोकेश शुक्ला, सहित खिलाड़ी, छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में नागरिकगण भी उपस्थित रहे।

कलेक्टर-पुलिस अधीक्षक ने किया कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

राज्य स्थापना दिवस पर आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव के मुख्य अतिथि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री टंक राम वर्मा होंगे

राज्योत्सव के सफल आयोजन के लिए कलेक्टर ने विभागों को सौंपे गए दायित्वो का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने कहा

जांजगीर-चांपा

राज्य सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती वर्ष मनाया जा रहा है। राज्योत्सव के अवसर पर जिले में 02 से 04 नवम्बर 2025 तक हाई स्कूल मैदान जांजगीर में तीन दिवसीय जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिले में आयोजित राज्योत्सव के मुख्य अतिथि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री टंक राम वर्मा होंगे।

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पांडेय ने आज शासकीय हाई स्कूल मैदान में कार्यक्रम स्थल का जायजा लेते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने राज्योत्सव के सफल आयोजन के लिए कलेक्टर ने विभागों को सौंपे गए दायित्वो का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने कहा। कलेक्टर ने कहा कि जिले में किए गए 25 वर्ष की उपलब्धियों पर आधारित उल्लेखनीय कार्यों को प्रदर्शनी के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाए, ताकि आमजन तक योजनाओं की जानकारी बेहतर ढंग से पहुंच सके। उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रम मंच, बैठक व्यवस्था, पार्किंग, प्रवेश द्वार, सुरक्षा तथा अन्य व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी लेते हुए आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, अपर कलेक्टर श्री आर के तंबोली, संयुक्त कलेक्टर श्री संदीप ठाकुर सहित जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

राज्य स्थापना दिवस पर खुशियों का गृह प्रवेश

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी रायपुर से कराएंगे जांजगीर-चांपा जिले के हितग्राहियों का गृह प्रवेश

जांजगीर-चांपा 2/ छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिले के हजारों हितग्राहियों को एक साथ अपने सपनों का गृह में प्रवेश मिलने जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत पूरे प्रदेश में 1 नवम्बर को सामूहिक गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। राज्य स्तरीय मुख्य समारोह नवा रायपुर, अटल नगर में आयोजित होगा, जहां से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी राज्य के हितग्राहियों का गृह प्रवेश कराएंगे। यह क्षण उनके जीवन का उत्सव होगा।

जिला पंचायत से मिली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत जिले में 1 नवम्बर को 15 हजार से अधिक आवासों में ग्रह प्रवेश किया जाएगा। निर्माण पूर्ण किया जिले के सभी ब्लॉकों में कार्य तेजी से प्रगति पर है। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिले के सभी ग्राम पंचायतों में पारंपरिक उत्सवमय वातावरण रहेगा। नवनिर्मित घरों को दीपों से सजाया जाएगा, रंगोलियों से आंगन महकेंगे, और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ हितग्राही अपने नए घर में प्रवेश करेंगे। कार्यक्रम के दौरान आभार पत्र, स्मृति चिन्ह एवं खुशियों की चाबी भी प्रदान की जाएगी। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गोकुल रावटे के मार्गदर्शन में पूरे जिले में इस कार्यक्रम को भव्य, गरिमामय और जनभागीदारीपूर्ण ढंग से आयोजित किए जाने की तैयारियाँ जोरों पर हैं। यह सामूहिक गृह प्रवेश केवल ईंट और गारे का उत्सव नहीं, बल्कि ग्रामीण जीवन में स्थायित्व, सम्मान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है एक सशक्त छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में ऐतिहासिक कदम।

विष्णु भोग और देवा भोग का अड्डा बना नगरपालिका कार्यालय कांग्रेसजनों ने किया नगरपालिका कार्यालय का घेराव

पालिका में व्याप्त भ्रष्टाचार और नगर विकास के प्रति उदासीनता के विरोध में कांग्रेसजनों की जन आक्रोश रैली

जांजगीर-चाम्पा । आठ माह पूर्व पालिका में भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार बनने के बाद से ही नगरपालिका कार्यालय विष्णुभोग और देवा भोग का प्रमुख अड्डा बन चुका है । नगर के किसी भी मोहल्ले में पूर्ववर्ती सरकार द्वारा स्वीकृत कार्यों के अतिरिक्त कोई भी नया विकास कार्य की एक भी ईंट नहीं रखी गयी है लेकिन नगरपालिका कार्यालय में कोई भी कार्य बिना विष्णु भोग और देवा भोग को दिये बगैर कराया जाना संभव नहीं है।

उक्त बातें विधायक ब्यास कश्यप ने नगर के कांग्रेसी पार्षदों नेता प्रतिपक्ष प्रिंस शर्मा, वरिष्ठ पार्षद विष्णु यादव, देवराज सिंह चंदेल, श्रीमती रक्षा धीरज सिंह बैस, श्रीमती रेखा सोनवान, श्रीमती जगदीश्वरी रवि सूर्यवंशी, अक्षय टेकाम, विजय बंटी अग्रवाल, अरमान खान सहित विधायक प्रतिनिधि विवेक सिंह सिसोदिया और नगर के अन्य प्रमुख कांग्रेस नेताओं की उपस्थिति में आयोजित जन आक्रोश रैली, के दौरान कही । उन्होंने आगे कहा कि नगर भाजपा नेताओं के संरक्षण में पालिका प्रशासन बेलगाम हो चुका है । जनहित और जन समस्याओं से जुड़े मामलों के प्रति उदासीन बना हुआ है । आज भी पालिका द्वारा राज्य शासन द्वारा स्वीकृत 2.5 करोड़ के निर्माण कार्य का प्रस्ताव महिनों बीत जाने के बाद भी स्वीकृति के लिए नहीं भेजा गया है । दोपहर 12 बजे से सैकड़ों की तादात में उपस्थित नगर के विभिन्न वार्डों से पहुंचे लोगों के साथ कचहरी चैक से पैदल मार्च करते हुए नगरपालिका कार्यालय पहुंच कर भारी संख्या में पुलिस बल की उपस्थिति के बीच नगरपालिका कार्यालय का घेराव करते हुए नगरपालिका कार्यालय में तालाबंदी कर जम कर नारेबाजी करते हुए पालिका में अध्यक्ष, अधिकारी और ठेकेदारों की मिली भगत से चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए गणवेश खरीदी, हमर चैपाटी निर्माण कार्य में अनियमितता की जांच, एक पेड़ मां के नाम पर निकाली गयी राशि की जांच, बी डी एम गार्डन से पुराना अस्पताल तक डिवाइडर में नगरपालिका कर्मचारियों से कराये गये रंग रोगन का भुगतान ठेकेदार के नाम पर किये जाने जैसे व्यापक भ्रष्टाचार आरोपों की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही करने की मांग के साथ नगर का प्रमुख हाईस्कूल का खेल मैदान के उन्नयन, नैला रेल्वे फ्लाई ओव्हर का निर्माण, लंबित जल आवर्धन का कार्य पूर्ण करने, नगर में 132 केव्ही विद्युत स्टेशन खोले जाने, भीमा तालाब के स्थायी जल भराव के लिए नाली निर्माण, नगर में सुव्यवस्थित सब्जी मंडी निर्माण जैसे कार्यों को प्राथमिकता में कराये जाने की मांग संबंधी ज्ञापन कलेक्टर के नाम अनुविभागीय अधिकारी सुब्रत प्रधान के माध्यम से हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन सौंपा गया । इस दौरान प्रमुख रूप से जिला कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष रमेश पैगवार, उपाध्यक्ष रफीक सिद्दिकी, श्रीमती हेमलता राठौर, गिरधारी यादव, मुस्कान परवीन, वर्षा सिंह राजपूत, मनोरमा पाटेकर, भोलू मितेश यादव, परमेश्वर निर्मले, आकाश तिवारी, महेन्द्र कश्यप, सौरभ सिंह, धीरज सिंह बैस, राजा खान, डॉ. शरीफ, विजय गढ़ेवाल, संतोष बोबई, चन्द्रप्रकाश ओग्रे भाकू, मिथुन राठौर, बबला महाराज, शांतिलाल साहू, अनिल चैरसिया, महेश खरे, दीपक गुड्डा राज आसना, नरसिम्हा यादव, महेतरू यादव, संध्या निर्मलकर, लक्ष्मी महंत, रजनी सूर्यवंशी, केसर विश्वकर्मा, संस्कार राठौर, अंशु यादव, सुनीता साहू, सत्यभामा टंडन, संतोषी धीवर, चम्पा प्रधान, रवि सूर्यवंशी, पवन कहरा, अतिक कुरैशी, नंदू यादव, गोलू गढ़ेवाल सहित सैकड़ों की तादात में कांग्रेसजन उपस्थित थे ।

मांग संबंधी ज्ञापन कलेक्टर के नाम अनुविभागीय अधिकारी सुब्रत प्रधान के माध्यम से हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन सौंपा गया

कार्यालय मुख्य अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग,
रायपुर परिक्षेत्र रायपुर (छ0ग0)

ई-प्रोक्योरमेंट प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से प्रपत्र "ए" में प्रतिशत दर पर कार्य हेतु 'सी' एवं उच्च श्रेणी के ठेकेदारों हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है:-

कं	निविदा आमंत्रण कं/दिनांक/ सिस्टम नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	36/28-10-2025/178148	सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के बिलाईगढ़ आवर्धन जल प्रदाय योजना जल वितरण प्रणाली (शेष कार्य) 100-500 मि.मी. व्यास डी.आई. के-7 5698 मीटर पाईप लाईन	139.80

Important Events and Time Schedule - Date of calling NIT- **28-10-2025,** Bid Start Date – **31-10-2025,** Pre Bid meeting date- **04-11-2025,** Bid Due Date- **21-11-2025,** PHY Doc. Submission last Date – **24-11-2025,** PQ Document Download Date- **24-11-2025**

नोट :- उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तो, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in में उक्त निविदा दिनांक 30.10.2025 से देखी जा सकती है।

अधीक्षण अभियंता (प्रकोष्ठ प्रभारी)
राज्य स्तरीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय मुख्य अभियंता,
लो.स्वा.यां विभाग, परिक्षेत्र रायपुर (छ0ग0)

G-252604413/2

खास खबर

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही छठ महापर्व का हुआ समापन

कोरबा ।

चौथे दिन की सुबह छठ व्रतियों के उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही लोक आस्था के छठ महापर्व का समापन हो गया। इसके बाद सभी छठ व्रतियों ने व्रत का पारण किया। मान्यता है कि सूर्योदय के समय अर्घ्य देने से सुख-समृद्धि, सौभाग्य, संतान प्राप्ति की मनोकामना और संतान की रक्षा का वरदान मिलता है।

छठ महापर्व के आखिरी दिन सूर्योदय के दौरान अर्घ्य देते समय मंत्र-ओम एहि सूर्य सहस्त्रांशो तेजोराशे जगत्पते, अनुकंपय माम् भक्तया गृहाणार्घ्यम् दिवाकर का जाप किया गया। महापर्व छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान नहाय-खाय के साथ आरंभ हुआ था। पहले दिन व्रतियों ने यहां गंगा स्नान के साथ सूर्यदेव को जल से अर्घ्य दिया। इसके बाद पूरी पवित्रता के साथ अरवा चावल, चना दाल, कद्दू की सब्जी और आंवले की चटनी आदि का भोग लगाकर प्रसाद तैयार किया। खरना पूजन के दिन व्रतियों ने पूरे दिन उपवास कर शाम में भगवान का भोग लगाकर प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हुआ। सोमवार को व्रतियों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया।

28 अक्टूबर की सुबह श्रद्धालुओं ने उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर पूजा का समापन किया। इसके साथ ही 36 घंटे का निर्जला उपवास भी समाप्त हो गया। इस अवसर पर व्रती महिलाओं ने जल में खड़े होकर सूर्य देव को अर्घ्य दिया और परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु तथा जीवन में ऊर्जा की कामना की। श्रद्धा और आस्था से परिपूर्ण इस पर्व के अंतिम दिन कोरबा शहर और आसपास के सभी घाटों पर विशेष चहल-पहल रही। बालको डेंगू नाला, सर्वमंगला घाट, शिवघाट, सीएसईबी तालाब सहित ऊर्जाधानी के विभिन्न छठ घाटों पर व्रती और श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाएं पारंपरिक परिधान में सजे थालों में प्रसाद लेकर घाटों तक पहुंचीं। व्रतियों ने जल में खड़े होकर पवित्रता के साथ फल, मिष्ठान, नारियल, पान-सुपारी, फूल, अर्कपात से भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की कुशलता के लिए प्रार्थना की। अर्घ्य व पूजन करने के बाद व्रतियों ने घाट पर पारण कर पर्व का समापन किया। पुलिस और प्रशासन ने घाटों पर सुरक्षा व व्यवस्था की विशेष तैयारियां की थीं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। अर्घ्य व पूजन करने के बाद व्रतियों ने घाट पर पारण कर पर्व का समापन किया।

लोकसभा सांसद श्री राठिया और राज्यसभा सांसद श्री सिंह ने यूनिटी मार्च की तैयारियों के संबंध में ली समीक्षा बैठक

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की विरासत और उनके योगदान को जन-जन तक पहुंचाने 12 नवम्बर को जिले में होगा यूनिटी मार्च का भव्य आयोजन

कार्यक्रम की रूपरेखा, सुरक्षा व्यवस्था और जनभागीदारी पर की चर्चा, आयोजन की तैयारियाँ समय पर पूर्ण करने के दिए निर्देश

सरदार पटेल की विरासत को उजागर करने विविध कार्यक्रमों के माध्यम से एक भारत, श्रेष्ठ भारत का संदेश होंगे प्रसारित

रायगढ़, संवाददाता।

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के 150 जयंती के उपलक्ष्य में आगामी 12 नवम्बर को यूनिटी मार्च का आयोजन किया जाएगा। लोकसभा सांसद श्री राधेश्याम राठिया और राज्यसभा सांसद श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह ने आज शाम कलेक्टोरेट सभाकक्ष में समीक्षा बैठक लेकर कार्यक्रम की रूपरेखा, सुरक्षा व्यवस्था, जनभागीदारी तथा विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियों पर विस्तृत चर्चा की।

लोकसभा सांसद श्री राठिया ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान को नमन करने और उनकी एकता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए रायगढ़ में 'यूनिटी मार्च' का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम सबकी सामूहिक सहभागिता से यह कार्यक्रम भव्य रूप लेगा और रायगढ़ जिले को एक नई पहचान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सांसद श्री राठिया ने बताया कि इस कार्यक्रम में युवाओं, सामाजिक संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों, सांस्कृतिक संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि यह आयोजन पूरे क्षेत्र की पहचान बन सके। उन्होंने आयोजन की रूपरेखा पर चर्चा करते हुए गांव-गांव में मुनादी कराने, दीवार लेखन करने और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए।

राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि इस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में एकता, देशभक्ति और कर्तव्य भावना को जागृत करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ समय पर और सुव्यवस्थित तरीके से पूर्ण की जाएँ, ताकि आयोजन सफल, भव्य और प्रेरणादायी बन सके। सांसद श्री सिंह ने कहा कि इस अवसर पर महापुरुषों के योगदान को स्मरण करने के लिए विशेष कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़ के वीर शहीदों के बलिदान और योगदान से लोगों को अवगत कराया जाए, ताकि नई पीढ़ी को उनसे प्रेरणा मिल सके। बैठक में उपस्थित अन्य गणमान्य नागरिकों ने भी कार्यक्रम की रुपरेखा के संबंध में अपने-अपने सुझाव दिए।

डिप्टी कलेक्टर श्री धनराज मरकाम ने जानकारी देते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के 150 जयंती के उपलक्ष्य में यूनिटी मार्च का आयोजन किया जा रहा है। रायगढ़ जिले में यूनिटी मार्च का आयोजन 12 नवम्बर को सुबह घरघोड़ा से प्रारंभ होकर तमनार में संपन्न होगी।

यह पदयात्रा 12 कि.मी. की होगी, जिसमें स्कूल, कालेज के छात्र-छात्राएं, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, एनएसएस, एनसीसी, माय भारत वॉलियेन्टर भाग लेंगे। यह पदयात्रा घरघोड़ा के गायत्री मंदिर से शुरू होकर हाईस्कूल मैदान घरघोड़ा, घरघोड़ा से झरियापाली, झरियापाली से देवगढ़, देवगढ़ से जरेकेला, जरेकेला से बासनपाली एवं बासनपाली से तमनार में संपन्न होगी।

यूनिटी मार्च से पूर्व लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की विरासत और उनके योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। युवाओं में राष्ट्रीय एकता, अनुशासन और सेवा भावना के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया जाएगा।

चिर्रा में फ्लाई ऐश ब्रिक्स निर्माण कार्य की सराहना

कोरबा जिला पंचायत सीईओ ने पहन्दा रीपा में स्थापित रेडी टू ईट यूनिट को शीघ्र प्रारंभ करने के दिए निर्देश

कोरबा संवाददाता

जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग ने ग्राम पंचायत पहन्दा और चिर्रा स्थित रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पहन्दा रीपा में स्थापित रेडी टू ईट यूनिट का अवलोकन कर यूनिट को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

सीईओ श्री नाग ने कहा कि रीपा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर प्रदान किए जाएँ, ताकि आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें। उन्होंने चिर्रा रीपा में बंद पड़ी मशीनों को पुनः चालू करने हेतु संबंधित वेंडर्स को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान सीईओ ने चंद्रमुखी महिला स्व-सहायता समूह

चिर्रा के द्वारा संचालित फ्लाई ऐश ब्रिक्स निर्माण कार्य की सराहना की और समूह की महिलाओं के उत्साहवर्धन हेतु उनकी मेहनत और गुणवत्ता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में अनुकरणीय उदाहरण हैं। इस अवसर पर जनपद पंचायत कोरबा के सीईओ खगेश निर्मलकर, जिला परियोजना प्रबंधक चिराग ठक्कर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रवीण झा जेल दाखिल : एसपी के नाम 2.50 लाख की उगाही, 11 लाख ठगे एसईसीएल कर्मी का भयादोहन कर

कोरबा।

एसईसीएल कर्मचारी को कार्रवाई और नौकरी का भय दिखाकर कोरबा एसपी व एसईसीएल अधिकारियों के नाम से 11 लाख रुपये की उगाही का शिकार बनाया गया। उनके विरुद्ध अपराध दर्ज कर बिलासपुर से गिरफ्तारी उपरांत जेल दाखिल कराया गया है।

प्रार्थी दीनदयाल उम्र 59 वर्ष पिता समारु निवासी-डफ क-8 बल्गी कॉलोनी थाना बांकीमोंगरा जिला कोरबा ने जिला पुलिस अधीक्षक से की गई शिकायत में बताया था कि वह वर्तमान में एस.ई.सी.एल. बल्गी परियोजना में पंप ऑपरेटर के पद पर कार्यरत है। पिछले वर्ष सितम्बर 2024 को उसके मोबाईल पर एक अज्ञात व्यक्ति ने कॉल कर अपना परिचय प्रवीण झा पिता रामानंद निवासी तैय्यब मस्जिद के पास बिलासपुर बताया। वह प्रार्थी को डराने लगा कि तुम बल्गी में फर्जी तरीके से नौकरी कर रहे हो, मैं तुम्हारी शिकायत सभी कार्यालय में भेजकर तुम्हे नौकरी से बाहर करा दूंगा। यदि तुम चाहते हो कि मैं कोई ऐसा नहीं करूं तो तुम मुझे 8 लाख रुपये दे दो, मैं कोई शिकायत या कार्यवाही नहीं करूंगा।

पहले झटके में 5 लाख वसूला दीनदयाल के खिलाफ बहुत से ऐसे दस्तावेज जिससे नौकरी खतम करा सकता हूँ, कहकर बड़े-बड़े पुलिस अधिकारी एवं एसईसीएल अधिकारियों से परिचय बताया, जिससे भयभीत होकर पूछा कि वह क्या चाहता है? प्रवीण झा ने 8 लाख रुपये में सब सम्हाल लेने और कोई नुकसान नहीं होने देने की बात पर नवम्बर 2024 तक कुल पांच लाख रुपये किश्तो में प्रदान कर दिया।

अतिक्रमण करने वाले 20 व्यवसायियों पर 28,100 रुपये की हुई चालानी कार्रवाई

नगर निगम की टीम ने शहर के प्रमुख मार्गों पर की अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही

रायगढ़, संवाददाता ।

शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में नगर निगम रायगढ़ की संयुक्त टीम द्वारा शहर के प्रमुख सड़कों एवं चौक-चौराहों पर व्यापक अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। इस दौरान सड़क बाधा उत्पन्न करने वाले 20 व्यवसायियों पर कुल 28,100 रुपये का चालान काटा गया। कार्रवाई का उद्देश्य शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाना तथा सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करना था। निगम आयुक्त श्री बृजेश सिंह क्षत्रिय के नेतृत्व में यह अभियान आलोक सिटी मॉल से प्रारंभ हुआ, जो सुभाष चौक, बुजी भवन चौक, श्याम टॉकीज रोड, सिविल लाइन, सेवाकुंज होते हुए केएमटी कॉलेज रोड और रूपेंद्र पटेल हॉस्पिटल के सामने तक संचालित हुआ। इस दौरान आलोक सिटी मॉल, विशाल मेगा मार्ट और जगतरामका सहित कई प्रतिष्ठानों द्वारा किए गए अतिक्रमणों को तत्काल हटाया गया। निगम की टीम ने नालों की सफाई के साथ सड़क किनारे रखे गए अवैध ढांचे, छज्जे और फुटपाथ पर रखे समान को हटाते हुए मार्ग को अवरोधमुक्त किया।

कोरबा में 3 अरब 33 करोड़ रामनाम लेखन का संकल्प लिया गया

कोरबा संवाददाता।

गत रविवार 26 अक्टूबर को राम नाम लेखन महायज्ञ समिति की प्रथम विशाल बैठक सरस्वती शिशु मंदिर बुधवारी में सम्पन्न हुई। इस बैठक में 368 राम भक्तों की उपस्थिति रही।

बालको के राम भक्तों की संगीत टोली ने अपने भजनों से भक्तिमय वातावरण का निर्माण किया। मेदनी मिश्रा के आनन्ददायी राम नाम ध्यान ने शक्ति का संचार किया। योगेश जैन ने बैठक की भूमिका प्रस्तुत की। तत्पश्चात बैठक के आयोजक डा. विशाल उपाध्याय ने समिति के अध्यक्ष रामसिंह अग्रवाल तथा संयोजक योगेश जैन के नाम की घोषणा की जिसकी राम भक्तों ने तालियां बजाकर स्वागत किया।

नगर संघचालक तथा श्री रामजन्म भूमि निधि संग्रह समिति के अध्यक्ष

अशोक तिवारी ने राम नाम लेखन का महत्व बताया। योगेश जैन के आग्रह पर समिति के अध्यक्ष रामसिंह अग्रवाल ने भावयुक्त उद्बोधन दिया। सह विभाग संघचालक किशोर बुटोलिया ने इस महायज्ञ की विस्तृत भूमिका रखी। इस आयोजन के तहत 3 अरब 33 करोड़ राम नाम लेखन किया जाएगा।

तय किये गए कार्यक्रमः- नवंबर माह में गृह सम्पर्क के समय इस कार्य हेतु अक्षत के साथ महायज्ञ का निमंत्रण देना।

1 दिसंबर से 17 दिसंबर तक राम नाम लेखन पुस्तिका भक्तों को देना।

18 दिसंबर गुरु घासीदास जयंती से राम नाम लेखन प्रारम्भ करना।

24 दिसंबर तक राम नाम लेखन करना।

18 दिसंबर से नित्य राम नाम संकीर्तन के साथ बस्ती, ग्रामों में प्रभात अथवा संध्या फेरी निकालना।

25 दिसंबर को बस्ती, ग्रामों में सभी पुस्तिका एक स्थान पर एकत्रित कर धार्मिक आयोजन करना।

सभी घरों से चावल दाल सामग्री एकत्र कर उसी सामग्री से राम खिचड़ी बनाकर प्रसाद वितरण करना।

26 दिसंबर को ग्रामों की पुस्तिका मण्डल केन्द्र में एकत्रित कर धार्मिक आयोजन करना।

28 दिसंबर को सभी मण्डल केन्द्र तथा नगर की बस्तियों से राम नाम पुस्तिका कोरबा लाना।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह : कलेक्टोरेट में अधिकारी-कर्मचारियों ने ली 'सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा' की शपथ

संवाददाता

रायगढ़, केन्द्रीय सतर्कता आयोग नई दिल्ली के निर्देशानुसार 27 अक्टूबर से 02 नवंबर तक 'सतर्कताः हमारी साझा जिम्मेदारी' थीम पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में आज जिला कलेक्टोरेट परिसर में सभी अधिकारी-कर्मचारियों ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा की शपथ ली। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर श्रीमती पूजा बंसल ने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा की शपथ दिलाई।

संयुक्त कलेक्टर श्रीमती बंसल ने कहा कि हमारे देश की आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रगति में भ्रष्टाचार एक बड़ी बाधा है। इसके उन्मूलन के लिए सरकार, नागरिकों और निजी क्षेत्र सभी को मिलकर कार्य करने

की आवश्यकता है। प्रत्येक नागरिक को सतर्क रहते हुए ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के उच्चतम मानकों के प्रति वचनबद्ध रहना चाहिए तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। शपथ ग्रहण के दौरान सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने यह संकल्प लिया कि वे जीवन के हर क्षेत्र में ईमानदारी और कानून के नियमों का पालन करेंगे। न तो रिश्वत लेंगे, न देंगे और अपने सभी कार्य पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ करेंगे। उन्होंने यह भी प्रतिज्ञा की कि वे जनहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने आचरण में ईमानदारी का उदाहरण प्रस्तुत करेंगे तथा भ्रष्टाचार से संबंधित किसी भी घटना की सूचना उचित एजेंसी को देंगे।

कर्मचारी की मौत के 11 साल बाद दायर की गई अनुकंपा नियुक्ति की अपील हाईकोर्ट ने की खारिज

बिलासपुर, छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने एसईसीएल कर्मचारी की मौत के 11 साल बाद दायर की गई अनुकंपा नियुक्ति की अपील खारिज कर दी है। अदालत ने कहा कि इतनी देर से किए गए आवेदन से योजना का मूल उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है, क्योंकि यह योजना अचानक आय के स्रोत समाप्त होने पर परिवार को तत्काल राहत देने के लिए बनाई गई है। एसईसीएल के एसडीएल ऑपरेटर स्वर्गीय इंजार साय की ड्यूटी के दौरान 14 अगस्त 2006 को मृत्यु हो गई थी। उनकी दो पत्नियों के बीच विवाद होने के कारण अनुकंपा नियुक्ति का मामला लंबे समय तक अदालतों में उलझा रहा। एसईसीएल ने पहली पत्नी शांति देवी का आवेदन वर्ष 2009 में यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि दोनों पत्नियों के विवाद का निपटारा पहले सिविल कोर्ट में किया जाए। विवाद के वर्षों बाद दूसरी पत्नी इंद्रकुंवर ने 17 अप्रैल 2017 को अपनी विवाहित बेटी प्रवीण के नाम से अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन दिया। एसईसीएल ने आवेदन यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया कि वह विवाहित है और आवेदन करने में 11 साल की देरी की कोई ठोस वजह नहीं बताई गई है। मां-बेटी ने इसके बाद हाई कोर्ट में याचिका लगाई, जिसे सिंगल बेंच ने 23 जुलाई 2025 को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि नेशनल कोल वेज एग्रीमेंट (एनसीडब्ल्यूए) के नियमों के अनुसार आवेदन मृत्यु की तारीख से पांच वर्ष के भीतर किया जाना चाहिए।

साइबर आपदा प्रबंधन से राज्य के बिजलीघर सुरक्षित

मुख्यमंत्री साय और उनकी धर्मपत्नी ने कुनकुरी छठ घाट में उगते सूर्य को दिए अर्घ्य

प्रदेश के सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की

जशपुरनगर , मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उनकी धर्मपत्नी कौशल्या साय ने आज छठ महापर्व त्यौहार के अवसर पर जशपुर के कुनकुरी छठ घाट में उगते सूर्य को अर्घ्य देकर प्रदेश के सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को छठ पूजा की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज बड़े ही सौभाग्य का दिन है कि मुझे अपने विधानसभा क्षेत्र में छठ पर्व में शामिल होने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कहा कि कुनकुरी छठ घाट के लिए लगभग 5 करोड़ 17 लाख की राशि से छठ का घाट का सौन्दर्यकरण किया जाएगा इस वर्ष के छठ महापर्व में व्रती महिलाएं छठ घाट में पूरे श्रद्धा भाव से पूजा अर्चना भी कर रही है। इस अवसर पर कलेक्टर रोहित व्यास, पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह सहित छठ पूजा करने वाली व्रती महिलाएं और जनप्रतिनिधीगण और ग्रामीणजन बड़ी संख्या में मौजूद थे। छठ पर्व का धार्मिक महत्व सूर्य उपासनाः सूर्य देव को जीवन, ऊर्जा, और स्वास्थ्य का स्रोत माना गया है। छठ पूजा में सूर्य की आराधना करके श्रद्धालु उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

छठ महापर्व में व्रती (उपासक) पूरी तरह शुद्धता, और आस्था के साथ चार दिनों तक उपवास, स्नान, और पूजा करती है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महाप्रभु जगन्नाथ का लिया दर्शन लाभ

भगवान को 51 हजार तुलसी अर्पित कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की

जशपुरनगर, । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज अल सुबह कुनकुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर पहुंचकर महाप्रभु जगन्नाथ, माता सुभद्रा और भगवान बलराम जी के दर्शन किए। मुख्यमंत्री ने अपनी धर्मपत्नी कौशल्या साय के साथ विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति और कल्याण की मंगल कामना की। उन्होंने मंदिर परिसर में जगन्नाथ सेवा समिति कुनकुरी द्वारा आज से 5 नवम्बर तक चलने वाले तुलसी अर्चन कार्यक्रम में भी भाग लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने भगवान जगन्नाथ को 51 हजार तुलसी दल अर्पित कर विशेष पूजन किया। साथ ही वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच प्रदेश की प्रगति, समरसता और जनकल्याण के लिए आशीर्वाद मांगा।

मुख्यमंत्री साय ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं से भेंट कर उनकी कुशलक्षेम पूछी और आयोजन में शामिल जगन्नाथ सेवा समिति कुनकुरी के सदस्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान में ऐसे धार्मिक आयोजन समाज को एकता और भक्ति के सूत्र में बांधते हैं। उन्होंने समिति को इस पावन आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, अन्य जनप्रतिनिधियों, स्थानीय नागरिकों, पुजारीगण एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान पूरा वातावरण जय जगन्नाथ के उद्घोष से गूंज उठा।

जशपुर के युवाओं ने छुआ हिमालय की ऊंचाइयों को

5350 मीटर की ऊंचाई पर ट्रैकिंग, रॉक क्लाइंबिंग, आइस क्लाइंबिंग का लिया अद्भुत अनुभव

0 जिले के युवाओं को एडवेंचर स्पोर्ट्स में आगे बढ़ने का दिया संदेश

0 मुख्यमंत्री ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

0 पर्वतारोही युवाओं के जोश और जज्बे को सराहा

जशपुरनगर जशपुर जिले के युवाओं ने अपने साहस, अनुशासन और अदम्य इच्छाशक्ति के बल पर हिमालय की ऊंचाइयों को छू लिया। हिमाचल प्रदेश में ट्राइबल अल्पाइन एक्सपीडिशन हिमालय 2025 में जशपुर जिले के पर्वतारोहियों ने दुहांगन वैली में 5350 मीटर की ऊंचाई तक सफलतापूर्वक चढ़ाई कर न केवल जिले का, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ राज्य का नाम गौरवान्वित किया। अभियान के दौरान दल के सदस्यों ने ट्रैकिंग, रॉक क्लाइंबिंग और आइस क्लाइंबिंग जैसी चुनौतीपूर्ण गतिविधियों में अपनी दक्षता और साहस का प्रदर्शन किया। यह दल जिला प्रशासन जशपुर के सहयोग से पर्वतारोहण के लिए सितम्बर माह में रवाना हुआ था। अभियान का नेतृत्व टीम लीडर स्वप्निल राचिलवाल ने किया, जबकि दल के अन्य सदस्य रवि कुमार सिंह, रूसनाथ भगत, तेजल भगत, सचिन कुजूर और प्रतीक नायक रहे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अभियान में सफलता प्राप्त करने वाले पर्वतारोहियों को आज सीएम कैंप कार्यालय बगिया में प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया और उनके जज्बे की सराहना की। उन्होंने कहा कि जशपुर के युवाओं ने यह साबित किया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, लगन और आत्मविश्वास से हर ऊंचाई को हासिल किया जा सकता है। युवाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि शासन के सहयोग से आदिवासी वनांचल क्षेत्र जशपुर से हिमालय जाने का अवसर मिला। साथ ही वहां विभिन्न प्रकार के एडवेंचर एक्टिविटी में भागीदारी करने का मौका मिला। इस दौरान कलेक्टर रोहित व्यास, डिप्टी कलेक्टर समीर बड़ा सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस उपलब्धि से जिले के आदिवासी युवा एडवेंचर स्पोर्ट्स के प्रति जागरूक होंगे और साहसिक खेलों में भागीदारी के लिए प्रेरित होंगे। दल के सदस्यों ने मुख्यमंत्री साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शासन एवं प्रशासन के सहयोग और प्रोत्साहन से ही उन्हें हिमालय अभियान का हिस्सा बनने और इस उपलब्धि को हासिल करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि इस अभियान से प्राप्त अनुभव और साहस जिले के युवाओं को एडवेंचर स्पोर्ट्स के प्रति प्रेरित करने में सहयोगी होगा। जनजातीय हिमालय पर्वतारोहण अभियान 2025 की शुरुआत एक स्थानीय प्रशिक्षण पहल के रूप में शुरू हुई थी, जो सामूहिक विश्वास, सहयोग और समर्थन से एक सशक्त अभियान के रूप में विकसित हुआ। इस पहल ने न केवल युवाओं में आत्मविश्वास और रोमांच की भावना जागृत की, बल्कि जशपुर जिले की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया। यह पर्वतारोहण सिर्फ कुछ युवाओं की यात्रा नहीं थी यह पूरे जशपुर की सामूहिक उपलब्धि थी।

बकावंड में बस्तर ओलंपिक 2025 की धूम; सैकड़ों खिलाड़ियों ने कराया पंजीयन

0 जनपद सीईओ परेश्वर कुर्रे के नेतृत्व में आयोजन

0 युवा अधिकारी के नेतृत्व में ग्रामीणों का जोश हाई

जगदलपुर, बस्तर कलेक्टर के निर्देशानुसार बकावंड विकासखंड में बस्तर ओलंपिक 2025 के तहत खेलों की शुरुआत ग्राम पंचायत स्तर पर हो चुकी है। जनपद पंचायत के सीईओ परेश्वर कुर्रे और सरपंच इसे सफल बनाने जी जान से जुटे हुए हैं। जनपद पंचायत बकावंड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी परेश्वर कुर्रे के सुगठित संयोजकत्व में ग्राम पंचायत करंजी में बस्तर ओलंपिक 2025 के तहत आयोजित भव्य खेल महोत्सव में महिलाओं और युवतियों के लिए कलस्टर जोन स्तरीय रस्साकशी प्रतियोगिता के साथ खेलों का शुभारंभ किया गया। ग्रामीणों में खेलों को लेकर उत्साह और उमंग का वातावरण देखने को मिला। बस्तर ओलंपिक के लिए बकावंड ब्लॉक से सैकड़ों खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हैंयह बड़ी भागीदारी इस बात का प्रतीक है कि बस्तर के ग्रामीण अंचलों में अब खेल एक जन आंदोलन के रूप में विकसित हो रहा है।आयोजन में जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी परेश्वर कुरे, ग्राम पंचायत किंजोली के सरपंच, सचिव, सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत गरियाबंद जिले से 192 श्रद्धालुओं का दल रवाना

0 कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधियों ने तीन श्रद्धालु बस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

0 यात्रा में निःशुल्क दर्शन, रहने-खाने और सुरक्षा की रहेगी पूरी व्यवस्था

गरियाबंद । मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत आज गरियाबंद जिले के पांचों विकासखंडों से आज कुल 192 श्रद्धालु सहित श्रद्धालुओं के देखरेख के लिए 5 अनुरक्षक भी तीन बसों के माध्यम से पवित्र तीर्थस्थलों - प्रयागराज, हनुमानगढ़ एवं काशी विश्वनाथ के दर्शन हेतु रवाना हुए। यह पांच दिवसीय यात्रा 27 से 31 अक्टूबर 2025 तक आयोजित की गई है। इस अवसर पर कलेक्टर श्री बीएस उइके, वरिष्ठ नागरिक श्री अनिल चन्द्राकर ने हरी झंडी दिखाकर श्रद्धालुओं को यात्रा के लिए रवाना किया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद के पार्षद सुरेन्द्र सोनटेके, जनपद अध्यक्ष सोहन ध्रुव, उपाध्यक्ष लेखराम साहू, राधेश्याम सोनवानी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, समाज कल्याण विभाग के उप संचालक डी.पी ठाकुर, सहित समाज कल्याण विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधियों ने श्रद्धालुओं को तिलक लगाकर यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। ज्ञातव्य है कि योजना अंतर्गत 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक तथा 60 वर्ष से कम आयु वर्ग के विधवा/परित्यक्ता महिलाओं के श्रद्धालु तीर्थ यात्रा के लिए पात्र हैं। यदि पति-पत्नी साथ यात्रा करना चाहें तो उनमें से एक को आयु सीमा में छूट दी जाती है। योजना के तहत पात्र श्रद्धालुओं को शासन द्वारा निर्धारित तीर्थस्थलों का निःशुल्क दर्शन कराया जाएगा। यह योजना पूर्णतः निःशुल्क है। यात्रा के दौरान आवागमन, ठहरने एवं भोजन की सभी व्यवस्थाओं का वहन राज्य शासन द्वारा किया जाता है।

पुलिस स्मृति एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर दो दिवसीय व्हॉलीबॉल प्रतियोगिता हुआ संपन्न

संवाददाता

कवर्धा, । पुलिस स्मृति एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में, कबीरधाम पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल के मार्गदर्शन में, पुलिस विभाग जिला कबीरधाम द्वारा दो दिवसीय व्हॉलीबॉल प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता दिनांक 26 से 27 अक्टूबर 2025 तक कवर्धा पुराना पुलिस लाइन स्थित व्हॉलीबॉल मैदान में आयोजित की गई, जिसमें खिलाड़ियों और दर्शकों का उत्साह चरम पर रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा वीर शहीदो को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। इस दौरान शहीदों के पराक्रम, त्याग और समर्पण को नमन करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया। वीर शहीदों के बलिदान से प्रेरित होकर, खेल भावना और राष्ट्रीय एकता के मूल्यों को मजबूत करने की दिशा में यह आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में कुल आठ टीमों ने भाग लिया — कवर्धा, नवापारा, रेतापारा, सिटी क्लब कवर्धा, कवर्धा पुलिस टीम, लोहझरी, केंद्रीय विद्यालय कवर्धा एवं कवर्धा बी टीम। दो दिनों तक चले मुकाबलों में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का दिल जीता। समापन अवसर पर विजेता टीमों को पुलिस अधिकारियों द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए –

प्रथम स्थानः सिटी क्लब कवर्धा
द्वितीय स्थानः पुलिस टीम कवर्धा
तृतीय स्थानः नवापारा
बालिका वर्ग में
प्रथमः कॉलेज टीम
द्वितीयः स्कूल टीम

सांत्वाना पुरस्कार : रैतापारा, भरेली, लोहझरी, सिटी क्लब बी कवर्धा, केंद्रीय विद्यालय कवर्धा इस अवसर पर पुलिस कप्तान के द्वारा कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ न केवल पुलिस बल की शारीरिक दक्षता और मानसिक स्फूर्ति को बढ़ाती हैं, बल्कि पुलिस और नागरिकों के बीच सद्भाव, एकता और टीम भावना को भी प्रोत्साहित करती हैं।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल, उप पुलिस अधीक्षक प्रतीक चतुर्वेदी, कृष्णकुमार चंद्राकर, रक्षित निरीक्षक महेश्वर सिंह, निरीक्षक महेश प्रधान, उमाशंकर राठौर, उप निरीक्षक अजयकांत तिवारी एवं अधिक संख्या में खिलाड़ी तथा।

साइबर आपदा प्रबंधन से राज्य के बिजलीघर सुरक्षित

विश्व साइबर सुरक्षा माह में जनजागरूकता अभियान

लोकशक्ति रायपुर।

विश्व साइबर सुरक्षा माह के समापन सत्र में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एसके कटियार के मार्गदर्शन में वीसी के माध्यम से मुख्यालय एवं राज्य बिजलीघरों के प्रमुखों एवं उच्च अधिकारियों को साइबर सुरक्षा जनजागरूकता अभियान की विस्तृत जानकारी दी गई। श्री कटियार ने उद्बोधन में कहा कि आईटी विभाग की सतत् निगरानी और साइबर संकट प्रबंधन संयंत्र के गठन से हमारे सिस्टम एवं बिजलीघर सुरक्षित हैं। हमारे अटल बिहारी ताप विद्युत गृह में एक एवं हसदेव ताप विद्युत गृह में दो बार साइबर आक्रमण हुया परंतु आईटी विभाग के पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था के चलते बड़े साइबर संकट से बचा गया। इंफॉरमेशन टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा पॉवर पाइंट के माध्यम से जनरेशन कंपनी में साइबर सुरक्षा को सुदृढ़ और सख्त बनाने हेतु प्रयासों की समीक्षा, मुख्यालय एवं क्षेत्रीय स्तर पर साइबर सुरक्षा के लिए संगठनात्मक संरचना एवं क्रियान्वयन, प्रबंधन स्तर की निगरानी एवं बिजलीघरों मे साइबर जोखिम जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारियां दी गई। इस अवसर पर टेबल कैलेंडर का भी विमोचन किया गया। जिसमें साइबर सुरक्षा संबंधित टीप दी गई है।

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के दिशानिर्देश पर अक्टूबर माह में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी राज्य के मुख्यालय एवं विभिन्न बिजलीघरों में जागरूकता अभियान चलाया गया। कर्मियों को जागरूक बनाने के साथ-साथ सावधानी बरतने के लिए आह्वान किया गया। इस कार्य के लिए श्री कटियार ने ईडी ओएंडएम श्री एमएस कंवर, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री गुलाब गंगवानी, श्रीमती अमिता बारा, श्री महेन्द्र देवांगन और पूरी टीम को बधाई दी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कुनकुरी में विसर्जन तालाब का किया औचक निरीक्षण

तालाब के सौंदर्यीकरण का लिया जायजा

0 व्यवस्थित और सुविधापूर्ण रूप से विकसित करने के दिए निर्देश

जशपुरनगर, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज कुनकुरी स्थित विसर्जन तालाब का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने छठ महापर्व के अवसर पर तालाब में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा तालाब क्षेत्र का विस्तारपूर्वक अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि तालाब को सुसज्जित, व्यवस्थित, आकर्षक और सुविधापूर्ण रूप से विकसित किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कहा कि छठ पर्व जन आस्था का प्रतीक और लोक संस्कृति के संवर्धन का उत्सव है, अतः इससे जुड़े स्थलों का विकास श्रद्धा, स्वच्छता और सौंदर्य के साथ किया जाना चाहिए। योजना के तहत तालाब के चारों ओर सौंदर्यीकरण के तहत विभिन्न सुविधाएं विकसित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सभी कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे हों, ताकि श्रद्धालुओं और नागरिकों को स्थायी सुविधा मिल सके। मुख्यमंत्री साय ने तालाब परिसर की स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और यातायात नियंत्रण की तैयारियों की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह स्थान न केवल धार्मिक श्रद्धा का केन्द्र है, बल्कि कुनकुरी की लोक संस्कृति और पर्यटन दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नगर पंचायत अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर इसे स्वच्छ, हरित और आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का आह्वान किया। इस दौरान मुख्यमंत्री साय की धर्मपत्नी कौशल्या साय, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर रोहित व्यास सहित नागरिकगण एवं अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)